राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 29 अप्रैल 2026

वर्ष 16, अंक 86, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

यूपी बनेगा ग्लोबल फार्मा हब, सीएम योगी....03

मलिहाबाद में मलिहा पासी स्मृति द्वार को लेकर बढ़ा विवाद...12

आसाराम के आश्रम को राहत ! सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई पर लगाई रोक

» गुजरात सरकार से मांगा जवाब

» सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद के आसाराम के आश्रम की जमीन पर दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है

» कोर्ट ने नगर निगम के कारण बताओ नोटिस में विवरणों की कमी पाई और यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया

सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में आसाराम के आश्रम की जमीन और संपत्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नगर निगम अधिकारियों के जारी कारण बताओ नोटिस में प्रथम दृष्टया पर्याप्त विवरणों का अभाव है. जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप जस्टिस मेहता की पीठ ने मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया. सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन दिन का समय दिया. मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

पीठ ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया, जिससे गुजरात हाई कोर्ट के 17 अप्रैल के फैसले पर असरदार तरीके से रोक लग गई. हाई कोर्ट ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास मोटेरा में आसाराम आश्रम की लगभग 45,000 स्क्वायर मीटर जमीन पर कब्जा करने का रास्ता राज्य के लिए साफ कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट का यथास्थिति बनाए रखने का आदेश

सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार से विवादित जमीन से जुड़े सभी जरूरी रिकॉर्ड पेश करने को कहा. राज्य सरकार ने बिना इजाजत कंस्ट्रक्शन और जमीन के इस्तेमाल की शर्तों का कथित तौर पर पालन न करने के बारे में हाई कोर्ट के नतीजों पर अपनी राय दी।

आश्रम की तरफ से सीनियर वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि पूरी कार्रवाई 'गैर-कानूनी और गलत इरादे से की गई' थी. बेंच के सामने यह दलील दी गई कि ट्रस्ट को इसलिए टारगेट किया जा रहा है क्योंकि जमीन प्रस्तावित स्पोर्ट्स डेवलपमेंट जोन में आती है. सुप्रीम कोर्ट ने राज्य से नोटिस के आधार पर ही अपने केस को सही ठहराने को कहा. बेंच ने कहा, 'आखिरकार, आपके केस को आपके नोटिस पर ही टिकना होगा. आपके नोटिस में पहली नजर में जरूरी जानकारी नहीं है.

राज्य सरकार से मांगा जवाब

राज्य ने दलील दी कि आश्रम ने 1980 में किए गए अपने ओरिजिनल अलॉटमेंट 6,261 स्क्वायर मीटर से ज्यादा जमीन पर कब्जा कर लिया था, और उस एक्स्ट्रा जमीन पर कब्जा कर लिया था, जिसे बाद में अलग-अलग फेज में रेगुलराइज किया गया था।

बेंच ने गुजरात सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से तीन दिन के अंदर सभी जरूरी रिकॉर्ड फाइल करने को कहा और पिटीशनर्स को भी अपना जवाब फाइल करने के लिए बराबर का समय दिया. हाई कोर्ट ने रेवेन्यू अथॉरिटीज द्वारा जारी किए गए बेदखली नोटिस को आश्रम की चुनौती को खारिज कर दिया था।

आसाराम के आश्रम को मिली तत्काल राहत

मोटेरा में नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास जिस 45,000 स्क्वायर मीटर से ज्यादा जमीन पर आश्रम बना है, उसका इस्तेमाल प्रस्तावित सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए किया जाना है. आश्रम को मैनेज करने वाले संत आशाराम ट्रस्ट ने गुजरात हाई कोर्ट के 17 अप्रैल के ऑर्डर को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें लीज की शर्तों के उल्लंघन और अतिक्रमण के आधार पर जमीन पर कब्ज़ा करने के खिलाफ उनकी अपील खारिज कर दी गई थी।

5 मई को अगली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल गुजरात हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार को यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं, मामले की अगली सुनवाई 5 मई को तय की गई है।

ममता के समर्थन में उतरे केजरीवाल,AAP में टूट के बाद बंगाल में की पहली सभा

» कहा- यह लोकतंत्र बचाने का चुनाव

» अरविंद केजरीवाल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं

» उन्होंने भाजपा पर लोकतंत्र और बंगाली अस्मिता पर हमला करने का आरोप लगाया. केजरीवाल ने 27 लाख वोटरों के नाम मतदाता सूची से काटे जाने को 'षड्यंत्र' बताया और जनता से ममता को वोट देने की अपील की

» उन्होंने कहा कि यह देश बचाने और लोकतंत्र सुरक्षित रखने की लड़ाई है, जिसमें वे दीदी के साथ हैं।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल इस वक्त पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं. पार्टी में हुई टूट के बाद पहली जनसभा करते हुए केजरीवाल ने कहा कि ये देश को बचाने और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है. पूरा देश आपकी लड़ाई देख रहा है. बीजेपी ने पूरी आर्मी और केंद्रीय बल भेज दिए हैं. बंगाल में आतंकवादी रहते हैं क्या? आप लोग भी भारतीय हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये बंगाल और बंगाली संस्कृति और अस्मिता के ऊपर हमला है, आप लोगों को जमकर जवाब देना पड़ेगा. आजादी की लड़ाई में सबसे ज्यादा कुर्बानी आपके दादा-परदादा ने दी, आप लोग इस आजादी को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने षडयंत्र किया वोटर लिस्ट बदल दो. 27 लाख वोटर लिस्ट से काट दिए, कई देशों की जनसंख्या इतनी नहीं होती. आपका वोट नहीं तो देश के नागरिक नहीं. कल पता नहीं क्या करेंगे आपके साथ. मां-बाप का वोट है बेटा का वोट काट दिया, चुनाव के बाद इन लोगों का क्या करेंगे. आपके साथ सारे अधिकार छीन लिए।

वोटरों के नाम कटने के बताया षडयंत्र

केजरीवाल ने कहा कि आज कसम खाकर जाओ, जिन 27 लाख लोगों के वोट कटे हैं, वो घर-घर जाकर दीदी के लिए वोट मांगेंगे. देश के अलग अलग हिस्सों से लोग आ रहे हैं और फर्जी वोट बनवा रहे हैं।

उन्होंने कहा किपहली बार बंगाल आया हूं, मुझे लगा इस घड़ी में बंगाल की लड़ाई में शामिल होने आया हूं. आजादी को बचाने की लड़ाई का इतिहास लिखा जाएगा तो लिखा जाएगा कि केजरीवाल आया था. सारे एक महिला के पीछे पड़े हैं, फिर भी वो जीतेंगी. उनके साथ काली माई का आशीर्वाद है।

हम सभी दीदी के साथ हैं

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक साल पहले दिल्ली के ऊपर हमला किया. फर्जी केस लगाया. अभी अदालत ने कहा कि सारे आरोप फर्जी हैं. मुझे जेल में डालकर दिल्ली पर कब्जा कर लिया. दिल्ली में फ्री बिजली बंद करने जा रहे हैं. हम सब लोग दीदी के साथ हैं।

'बंगाल की अस्मिता' का मुद्दा

केजरीवाल ने अपने संबोधन में बंगाल के इतिहास और आजादी की लड़ाई में उसके योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बंगाल की संस्कृति और अस्मिता की रक्षा से जुड़ा हुआ है और लोग इसे उसी भावना से देखें। अपने भाषण में उन्होंने दिल्ली की राजनीति का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए मामले झूठे साबित हुए हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में जनता को मिलने वाली सुविधाओं को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

बिजली कनेक्शन के नाम पर पैसे मांगने वाला जेई निलंबित

» उपभोक्ता से रिश्वत मांगते वीडियो वायरल।

» मामले की जांच के लिए समिति गठित।

» बिजली कनेक्शन के नाम पर जेई निलंबित।

लखनऊ। बिजली कनेक्शन के नाम पर पैसे मांगने वाले अवर अभियंता निलेश सिंह को प्रारंभिक जांच में निलंबित कर दिया गया है। लखनऊ मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अवर अभियंता द्वारा उपभोक्ता से 24 किलोवाट कनेक्शन के नाम पर डेढ़ लाख रुपये मांगे जा रहे थे। निवेश मित्र पर उपभोक्ता राज कुमार वर्मा द्वारा गुइन रोड, मालवीय नगर में व्यवसाय करने के लिए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया गया था। आवेदक का आरोप था कि निलेश सिंह पैसा लेने के लिए बार-बार घर से कार्यालय बुलाते थे। मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल के मुताबिक पूरे मामले की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। बता दें कि आवेदनकर्ता ने अवर अभियंता के उत्पीड़न से परेशान होकर घूस मांगने का वीडियो पूरा बना लिया था। इस पर अधीक्षण अभियंता कमलेश कुमार चौधरी ने जेई को निलंबित कर अधिशासी अभियंता (फाल्ट) कार्यालय से संबद्ध कर दिया है। वही मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की एमडी रिया केजरीवाल ने शाहजहांपुर खंड से जेई आनंद कुमार और आवंला खंड बरेली से मनोज कुमार यादव को लखनऊ मध्य जोन में संबंद्ध किया है। अब मुख्य अभियंता जोन कार्यालय से एक की तैनाती निलेश सिंह की जगह और दूसरे की अन्य इकाई में जल्द होगी।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक 30 अप्रैल को होगी

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग साहब सरन ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक 30 अप्रैल को अपरान्ह 4 बजे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय सभागार में आयोजित की जायेगी।

घरवाले खाते रहे रसगुल्ला-रसमलाई... चोर ले गया 1 करोड़ रुपए के गहने, सदमे में परिजन

» बेंगलुरु के एक शादी हॉल से 1 करोड़ के सोने के गहनों की चोरी ने हड़कंप मचा दिया है।

» अमेरिका में रहने वाली महिला डॉक्टर सिरुवेल्ला श्रीदेवी के 725 ग्राम गहने एक ताले लगे कमरे से गायब हो गए।

» परिवार सदमे में है, जबकि पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर संदिग्धों की तलाश कर रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कर्नाटक के बेंगलुरु में एक ऐसी घटना घटी है जहां शातिर चोरों ने एक शादी के हॉल से 1 करोड़ रुपये के सोने के गहने चुरा लिए. बुधवार शाम को अवलाहल्ली पुलिस थाना क्षेत्र के एक शादी के हॉल से अमेरिका में रहने वाली 52 वर्षीय महिला डॉक्टर सिरुवेल्ला श्रीदेवी के सोने के गहने चोरी होने की घटना सामने आई है. इस घटना से शादी का जश्न मना रहे परिवार वालों को गहरा सदमा लगा है।

सिरुवेल्ला श्रीदेवी ने गुरुवार दोपहर इस घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराई. वह 18 अप्रैल को अपने भतीजे की शादी के लिए बेंगलुरु आई थीं और बेल्लारी रोड स्थित गंगानगर में अपने भाइयों के घर पर ठहरी हुई थीं. बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे वह बिदाराहल्ली के ओल्ड मद्रास रोड पर स्थित एसडीपी पैलेस मंडपम गईं. शाम 6:30 बजे तक उनके भाइयों ने उन्हें मंडपम में ही सोने के गहनों से भरा एक बक्सा दे दिया. उन्होंने कुछ गहने पहन लिए और बाकी अपने कमरे में रखकर दरवाजा बंद कर लिया और रिसेप्शन में चली गईं. कमरा बंद होने के बावजूद गहने चोरी हो जाने से कई सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस कर रही सीसीटीवी की जांच

चोरी हुए सोने के आभूषणों का वजन लगभग 725 ग्राम बताया जा रहा है और संदेह है कि शिकायतकर्ता के किसी परिचित या उसके परिवार के किसी सदस्य ने यह अपराध किया होगा. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और कमरे में आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ कर रहे हैं।

वेडिंग हॉल के मैनेजर ने क्या कहा?

वेडिंग हॉल के मैनेजर प्रभु ने कहा कि वेडिंग हॉल के कर्मचारी इस घटना में शामिल नहीं थे और दरवाजा बंद था. चाबी भी शिकायतकर्ता के पास थी. उन्होंने यह भी कहा कि वे पुलिस जांच में सहयोग कर रहे हैं. व्हाइटफील्ड डिवीजन के डीसीपी सैदुलु अदावत ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों की तलाश चल रही है।

दिल्ली से रेवाड़ी, करनाल और अलवर का सफर होगा आसान

नई दिल्ली। यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली के अंदर इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाई जा रही है। इसके साथ ही दूसरे राज्यों के शहरों के लिए भी दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) द्वारा इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही है। दिल्ली-बड़ौत, दिल्ली-सोनीपत, दिल्ली-धारूहेड़ा, दिल्ली-पानीपत और नानकसर-गाजियाबाद बस टर्मिनल के लिए बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। शीघ्र ही कुछ अन्य शहरों के लिए बसें शुरू करने की तैयारी है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह का कहना है कि अंतरराज्यीय बस सेवा को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलव रही है। शीघ्र ही दिल्ली से रेवाड़ी, करनाल और अलवर के लिए भी बस सेवा शुरू की जाएगी। प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए बस सेवा शुरू करने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को और ज्यादा मजबूत और बेहतर बनाने के आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर देवी इलेक्ट्रिक बसों के लिए रूट निर्धारण किया जा रहा है। इसमें डीटीसी के अनुभवी चालकों, सहचालकों और बस डिपो प्रबंधकों के अनुभव को शामिल किया जाना आवश्यक है। उनसे भी सुझाव लिए जाएंगे।

अब यूपी में इन कर्मचारियों को 2 घंटे और करना होगा काम, बोले- फिर तो भत्ता दिया जाए

लखनऊ। गेहूं की फसल कटने के साथ ही खेती के लिए कर्ज (ऋण) देने वाले बैंकों ने फील्ड कर्मचारियों को किसानों के बीच दौड़ना शुरू कर दिया है। किसानों से अधिक से अधिक बकाए धनराशि की वसूली तेजी से हो सके इसके लिए उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक ने फील्ड कर्मचारियों की ड्यूटी दो घंटे बढ़ाते हुए सुबह आठ बजे से कर दिया है, जिसका विरोध बैंक के कर्मचारी संगठनों ने शुरू कर दिया है। इस बैंक की प्रदेश में 326 शाखाएं और उनमें करीब 2500 कर्मचारी कार्यरत हैं। इस मामले में सहकारी ग्राम विकास बैंक कर्मचारी संघर्ष समिति ने बैंक के प्रबंध निदेशक को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि कर्मचारियों की सहमति और बिना ओवर टाइम भत्ता दिए किसी से जबरन काम लेना श्रम नियमों के अनुकूल नहीं है। ओवर टाइम भत्ता दिए जाने पर ही कर्मचारी दो घंटे अतिरिक्त काम करेंगे, अन्यथा इसका विरोध होगा। समिति के अध्यक्ष संदीप कुमार अवस्थी तथा महामंत्री मो. आसिफ जमाल ने कहा है कि ओवर टाइम भत्ता नहीं मिलने पर बैंककर्मी दो घंटे अधिक काम नहीं करेंगे। वेतन पुनरीक्षण, सातवें वेतनमान का लाभ देने, सेवानिवृत्ति देयकों का भुगतान करने सहित 15 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की मांग प्रबंधन से की है।

सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रगति की समीक्षा, विद्युत विभाग में ज्यादा से ज्यादा सोलर कनेक्शन कराये जाने के लिए कहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। नगर मजिस्टेऊट विनोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी तथा सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में वेण्डर चयन के उपरांत वेण्डर के स्तर पर लम्बित आवेदन, लोड, बिजली का बिल इत्यादि संशोधन से सम्बंधित लम्बित प्रकरण, विद्युत विभाग के अन्तर्गत निरीक्षण हेतु लम्बित प्रकरण एवं पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनान्तर्गत बैंक स्तर पर लोन निर्गत/पार्शियल पेमेण्ट सम्बंधित लम्बित प्रकरणों के बारे में विस्तार से समीक्षा की गयी। नगर मजिस्टेऊट ने पीओनेडा से पीएम सूर्यघर योजना के प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है। उन्होंने पीओ नेडा को विद्युत विभाग व बैंक के अधिकारियों एवं पीएम सूर्यघर योजना व क्लीन एनर्जी का वेण्डरों एवं लक्षित विभाग के साथ बैठक कर पेंडेसी को समाप्त करने और उपभोक्ताओं का चिन्हांकन करने के लिए कहा है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक वेण्डर को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का जो लक्ष्य तय किया गया है, उस लक्ष्य के अनुसार हर घर में सोलर सिस्टम लगाने के लिए प्राथमिकता पर कार्यवाही करें। उन्होंने विद्युत विभाग के सभी अधिकारियों को उनके स्तर पर पीएम सूर्यघर योजना से सम्बंधित लम्बित सभी पेण्डेंसी को अभियान चलाकर प्राथमिकता पर निस्तारित करते हुए ज्यादा से ज्यादा सोलर कनेक्शन कराये जाने के लिए कहा है।

पुलिस कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

इलाहाबाद HC में खारिज, CJM का आदेश बरकरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गोरखपुर से जुड़े एक मामले में अधीनस्थ अदालत के आदेश को सही ठहराया है। अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता। यह आदेश न्यायमूर्ति वीडी चौहान ने दिया है।

गोरखपुर के व्यक्ति ने थाना प्रभारी पर लगाया था आरोप

याचिका में गोरखपुर निवासी राम चंद्र जायसवाल ने आरोप लगाया था कि थाना प्रभारी (एसएचओ) ने दो सिपाहियों के साथ उनके घर आकर गाली-गलौज की। मोबाइल, 23 हजार रुपये नकद तथा सोने की चेन उठा ले गए। इस संबंध में उन्होंने धारा 156 (3) सीआरपीसी के तहत आवेदन दिया था।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने आवेदन खारिज किया था

मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, गोरखपुर ने 21 नवंबर 2024 को आवेदन खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण (क्रिमिनल रिवीजन) को भी 13 जनवरी 2026 को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गोरखपुर ने खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि पुलिस ने उनके घर से सामान जब्त किया और इसके फोटो भी प्रस्तुत किए गए।

कोर्ट ने कहा- निचली अदालतों के आदेश में त्रुटि नहीं

कोर्ट ने कहा कि प्रस्तुत फोटो घर के बाहर की स्थिति दर्शा रहे हैं। पुलिस पहले ही याचिकाकर्ता के बेटे के खिलाफ गैंग्सटर एक्ट में मामला दर्ज कर जांच पूरी कर चुकी है। इसमें चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। पुलिस टीम आरोपी बेटे को पकड़ने गई थी। इन तथ्यों को देखते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि निचली अदालतों के आदेश में कोई त्रुटि नहीं है। इसलिए याचिका खारिज कर दी गई।

बंगाल चुनाव के बीच मर्डर, आसनसोल में कांग्रेस समर्थक को पीट-पीटकर मार डाला, तृणमूल पर आरोप

» पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान के बाद आसनसोल में हिंसा हुई. 90% से अधिक मतदान के दो दिन बाद कांग्रेस समर्थक देवदीप चटर्जी को घर में घुसकर पीट-पीटकर मार डालने का आरोप है. कांग्रेस इस हत्या के लिए तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रही है. मृतक की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें टीएमसी पार्षद के करीबियों पर आरोप लगे हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ. 90 परसेंट से ज्यादा लोगों ने मतदान किया. बंपर वोटिंग के दो दिन बाद पश्चिम बर्दवान के आसनसोल में एक कांग्रेस समर्थक को घर में घुसकर पीट-पीटकर मार डालने का आरोप लगा है. कांग्रेस मृतक का पार्थिव शरीर को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है. मृतक की पहचान देवदीप चटर्जी के तौर पर हुई है. आरोप है कि रात में घर में घुसकर उसे पीटा गया. शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई।

घटना का एक फुटेज पहले ही जारी हो चुका है. इसमें दिख रहा है कि देवदीप को घर के गेट के पास कुछ लोग जमीन पर गिराकर पीट रहे हैं. मौके पर एक महिला भी दिख रही है. यह भी दिख रहा है कि उसे जमीन पर गिराकर लात मारी जा रही है।

कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में किया था प्रचार

आसनसोल के इस हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के सचिव कांग्रेस उम्मीदवार प्रोसेनजीत पुइतांडी हैं. देवदीप उसी घर में रहते थे. उन्होंने कांग्रेस कैंडिडेट के कैंपेन में भी हिस्सा लिया था. कांग्रेस उनकी हत्या की घटना में तृणमूल कांग्रेस पर उंगली उठा रही है. कांग्रेस का दावा है कि उन्हें इसलिए मारा गया क्योंकि वे समर्थक थे।

जानें क्या घटी थी घटना

कांग्रेस उम्मीदवार प्रोसेनजीत पुइतांडी ने कहा कि देवदीप शुक्रवार रात अपनी पत्नी और बच्चे के साथ कार से घर लौट रहे थे. जब कार बीच सड़क पर चल रही थी, तो कुछ युवकों के ग्रुप से झगड़ा शुरू हो गया. फिर देवदीप ने अपनी पत्नी और बच्चे को घर के अंदर आने को कहा. जब झगड़ा बढ़ा, तो देवदीप ने कहा, 'मैं शंकुदा (प्रोसेनजीत पुइतांडी) को बुलाऊंगा.' यह सुनकर, युवकों ने कथित तौर पर देवदीप को जमीन पर गिरा दिया और उसे पीटना शुरू कर दिया। देवदीप की पत्नी ने पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. आरोप तृणमूल पार्षद अनिमेष दास के करीबी लोगों पर लगे हैं. जब अनिमेष दास से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि वह आसनसोल से बाहर हैं और उन्हें घटना के बारे में कुछ नहीं पता है।

अमेरिकी राष्ट्रपतियों पर जान जानलेवा हमले

[अब्राहम लिंकन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप तक सुरक्षा में चूक।]

अमेरिका के राष्ट्रपतियों पर जानलेवा हमलों का इतिहास लोकतांत्रिक व्यवस्था की जटिलताओं, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सुरक्षा चुनौतियों का एक गंभीर अध्याय रहा है। जिसकी शुरुआत अब्राहम लिंकन की हत्या से मानी जाती है 14 अप्रैल 1865 को वॉशिंगटन डी.सी. के फोर्ड्स थिएटर में नाटक देखते समय अभिनेता जौन विल्किस बूथ ने उन्हें गोली मार दी, जो गृहयुद्ध के बाद के तनावपूर्ण माहौल और दक्षिणी असंतोष का परिणाम था। इसके बाद 1881 में जेम्स ए गारफील्ड को चार्ल्स जे गेतयु ने गोली दागी थी, जिससे उनकी मृत्यु हो गई और यह घटना राजनीतिक संरक्षण से उपजे गहरे असंतोष को दर्शाती है।1901 में विलियम मेकंली की हत्या लिओन ज़ोलगोस द्वारा की गई, जिसने अराजकतावादी विचारधारा से प्रेरित होकर यह हमला किया था। 20वीं सदी में सबसे चर्चित घटना 1963 में जॉन एफ केनेडी की हत्या है, जब ली हार्वे ओसवाल्ड ने टेक्सास के डलास में गोली चलाई, यह घटना एसेसिनेशन का जॉन एफ कैनेडी के रूप में इतिहास में दर्ज है और आज भी इसके षड्यंत्र सिद्धांतों पर बहस जारी है। हालांकि हर हमला सफल नहीं रहा, 1912 में पूर्व राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट पर चुनाव अभियान के दौरान गोली चलाई गई लेकिन वे बच गए थे और घायल अवस्था में भाषण भी दिया, जो उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और साहस का प्रतीक बना था।

1933 में राष्ट्रपति बनने से रूजवेल्ट सेकंड पर गोसीपी जेंगरा ने गोली चलाई, हालांकि निशाना चूक गया और शिकागो के मेयर की मृत्यु हो गई। 1950 में हेनरी ट्रूमैन पर प्लेयर हाउस के बाहर हमलावरों ने गोलीबारी की, जो प्यूर्टो रिकन राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े थे, लेकिन ट्रूमैन सुरक्षित बच गए । 1975 मे गेराल्ड फोर्ड पर दो अलग-अलग महिलाओं ने हमले किए, जो उस समय के सामाजिक उथल-पुथल और अतिवादी मानसिकता को दर्शाते हैं। 1981 में रोनाल्ड रीगन पर गोली चलाई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हुए लेकिन वे सुरक्षित बच गए थे, यह घटना मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा तंत्र की समीक्षा का कारण बनी।आधुनिक समय में भी खतरे समाप्त नहीं हुए हैं, 21वीं सदी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चुनावी रैलियों के दौरान हमले या प्रयासों की खबरें सामने आई, और वर्तमान में वॉशिंगटन डीसी में एक समारोह के दौरान उन पर गोलियां चलाई गई वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य सुरक्षित रहे। यह सारी घटनाएं बढ़ते राजनीतिक ध्रुवीकरण और हिंसात्मक प्रवृत्तियों का संकेत देती हैं।

इन घटनाओं के बीच एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप मे अमेरिका की खुफिया एजेंसी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, जिसकी स्थापना मूलतः वित्तीय अपराधों की जांच के लिए हुई थी लेकिन बाद में राष्ट्रपति सुरक्षा इसकी प्रमुख जिम्मेदारी बन गई। इन हमलों के पीछे विभिन्न कारण रहे हैं राजनीतिक असंतोष, वैचारिक चरमपंथ, मानसिक अस्थिरता, नस्लीय तनाव, और कभी-कभी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या प्रसिद्धि पाने की चाह जो अमेरिकी समाज के भीतर मौजूद अंतर्विरोधों को उजागर करते हैं। यह भी अत्यंत उल्लेखनीय है कि प्रत्येक घटना के बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल और खुफिया तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया गया, जैसे खुले मंचों पर राष्ट्रपति की उपस्थिति को नियंत्रित करना, बुलेटप्रूफ वाहनों और जैकेट्स का उपयोग, तथा सार्वजनिक कार्यक्रमों में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू करना आदि फिर भी लोकतांत्रिक समाज में जनता से सीधा संपर्क बनाए रखना एक चुनौती बना रहता है, क्योंकि सुरक्षा और लोकतांत्रिक खुलापन दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है। इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका जैसे विकसित लोकतंत्र में भी सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं और यह केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं बल्कि समाज की वैचारिक दिशा, राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक संतुलन का भी दर्पण है, जहां हर हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और उसके मूल्यों पर भी आघात होता ।

अमेरिका जैसे शक्ति संपन्न राष्ट्र के सर्वाधिक सुरक्षित देश के प्रथम व्यक्ति राष्ट्रपति पर जानलेवा हमले हो सकते हैं और उनकी जान भी जाती रही है तो कल्पना कीजिए कि अन्य विकासशील राष्ट्रों के राष्ट्रीय प्रमुख कितने सुरक्षित हैं। वैसे भी राजनीति कांटों से भर तक माना जाता है और राजनेताओं की जिंदगी भी असुरक्षित ही मानी गई है। इसीलिए सुरक्षागत उपकरणों उपाय और सिद्धांतों को प्रथम प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

संजीव ठाकुर

एक वोट का सम्मान और लोकतंत्र की विराट शक्ति मतदान केंद्र का संदेश जो पूरे देश के लिए प्रेरणा बना

गीर के घने जंगलों के बीच स्थापित मतदान केंद्र केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का जीवंत उदाहरण है। जब एक ही मतदाता के लिए पूरा मतदान केंद्र बनाया जाता है तो यह स्पष्ट संदेश देता है कि इस देश में हर नागरिक का वोट बराबर महत्व रखता है। बाणेज क्षेत्र में एकमात्र मतदाता हरिदास बापू के लिए चुनाव आयोग द्वारा की गई यह व्यवस्था दिखाती है कि लोकतंत्र केवल संख्या का खेल नहीं बल्कि अधिकार और सम्मान की भावना है।

गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के इस दूरस्थ इलाके में जहां पहुंचना भी आसान नहीं है वहां चुनाव कर्मियों का जाना और पूरी प्रक्रिया को निभाना अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी और समर्पण का उदाहरण है। यहां न तो भीड़ है और न ही राजनीतिक शोर लेकिन फिर भी मतदान की पूरी प्रक्रिया वैसी ही होती है जैसी किसी बड़े शहर के मतदान केंद्र पर होती है। यह दिखाता है कि भारत का लोकतंत्र हर परिस्थिति में अपने मूल सिद्धांतों को निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह परंपरा नई नहीं है बल्कि कई वर्षों से चली आ रही है। पहले भरतदास बापू इस केंद्र के एकमात्र मतदाता थे और उनके बाद उनके शिष्य हरिदास बापू इस जिम्मेदारी को निभा रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का मतदान नहीं बल्कि एक परंपरा का निर्वहन है जो यह बताती है कि लोकतंत्र में भागीदारी एक निरंतर प्रक्रिया है। यह प्रेरणा देता है कि चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों नागरिक को अपने अधिकार का उपयोग करना चाहिए।

घने जंगलों में वन्यजीवों के बीच मतदान केंद्र स्थापित करना आसान नहीं होता। चुनाव कर्मियों को कठिन रास्तों से गुजरना पड़ता है सुरक्षा बलों को तैनात करना पड़ता है और हर छोटी बड़ी व्यवस्था का ध्यान रखना पड़ता है। फिर भी यह सब केवल एक वोट के लिए किया जाता है। यह उस सोच को दर्शाता है जिसमें हर नागरिक को समान अधिकार दिया गया है और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाता। हरिदास बापू का यह कहना कि जब सरकार एक व्यक्ति के लिए इतनी व्यवस्था कर सकती है तो हर नागरिक को मतदान करना चाहिए एक गहरी बात है। यह केवल एक बयान नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक संदेश है। अक्सर देखा जाता है कि शहरों में लोग मतदान के दिन घर पर ही रहते हैं या छुट्टी का आनंद लेते हैं। ऐसे लोगों के लिए यह उदाहरण एक आईना है जो उन्हें अपने कर्तव्य की याद दिलाता है।

गुजरात में हुए स्थानीय स्वराज चुनाव भी इस बात का प्रमाण हैं कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोग लोकतंत्र में अपनी आस्था बनाए रखते हैं। भीषण गर्मी के बावजूद लोगों ने मतदान किया और औसतन अच्छा प्रतिशत दर्ज हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में तो उत्साह और भी अधिक देखने को मिला जहां लोगों ने बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का उपयोग किया। यह दर्शाता है कि लोकतंत्र की जड़ें गांवों में कितनी मजबूत हैं। महानगरपालिकाओं में अपेक्षाकृत कम मतदान प्रतिशत जरूर चिंता का विषय है लेकिन यह भी एक अवसर है सुधार का। जब एक व्यक्ति जंगल में मतदान कर सकता है तो शहरों में रहने वाले लोगों के लिए मतदान करना और भी आसान होना चाहिए। यह सोचने की जरूरत है कि आखिर क्यों शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति उदासीनता देखने को मिलती है और इसे कैसे दूर किया जा सकता है।

चुनाव आयोग की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक निष्पक्ष और पारदर्शी संस्था के रूप में उसने बार बार यह साबित किया है कि वह हर परिस्थिति में लोकतंत्र की रक्षा के लिए तैयार है। चाहे वह दूरदराज का इलाका हो या भीड़भाड़ वाला शहर हर जगह एक समान प्रक्रिया का पालन किया जाता है। यही कारण है कि भारत का चुनावी तंत्र विश्व में सबसे बड़ा और सबसे विश्वसनीय माना जाता है। कई बार राजनीतिक दल चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हैं और उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाते हैं। लेकिन बाणेज जैसे उदाहरण इन आरोपों का सीधा जवाब देते हैं। जब एक वोट के लिए इतनी मेहनत और संसाधन लगाए जाते हैं तो यह स्पष्ट हो जाता है कि चुनाव आयोग अपने कर्तव्य के प्रति कितना गंभीर है। ऐसे में बिना ठोस आधार के आरोप लगाना न केवल संस्था की छवि को नुकसान पहुंचाता है बल्कि लोकतंत्र के प्रति लोगों के विश्वास को भी कमजोर करता है।

यह जरूरी है कि राजनीतिक दल और नेता अपनी जिम्मेदारी को समझें और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करें। आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन वह तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित होनी चाहिए। निराधार आरोप केवल भ्रम फैलाते हैं और जनता को गुमराह करते हैं। बाणेज का यह उदाहरण बताता है कि सच्चाई क्या है और व्यवस्था कितनी मजबूत है। मतदान केवल अधिकार नहीं बल्कि एक कर्तव्य भी है। यह वह माध्यम है जिसके जरिए नागरिक अपनी सरकार चुनते हैं और अपने भविष्य को आकार देते हैं। जब लोग मतदान नहीं करते तो वे अपने अधिकार को खो देते हैं और दूसरों को निर्णय लेने का मौका दे देते हैं। इसलिए हर नागरिक को यह समझना चाहिए कि उसका एक वोट कितना महत्वपूर्ण है। आज के समय में जब तकनीक और सुविधा हर जगह उपलब्ध है तब भी अगर लोग मतदान से दूर रहते हैं तो यह चिंताजनक है। बाणेज का मतदान केंद्र हमें यह सिखाता है कि अगर इच्छाशक्ति हो तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने अधिकार का सम्मान करें और हर चुनाव में भाग लें। अंत में यह कहा जा सकता है कि गिर के जंगल में स्थापित यह मतदान केंद्र केवल एक स्थान नहीं बल्कि एक विचार है। यह विचार है समानता का अधिकार और जिम्मेदारी का। यह हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल सरकार का नहीं बल्कि हर नागरिक का है। इसे मजबूत बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। जब एक व्यक्ति के लिए पूरा मतदान केंद्र बनाया जा सकता है तो यह हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है। यह संदेश हमें हमेशा याद रखना चाहिए और अपने जीवन में अपनाना चाहिए। तभी हम एक मजबूत और जागरूक समाज का निर्माण कर पाएंगे जहां हर आवाज सुनी जाएगी और हर वोट की कीमत होगी।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

1800 करोड़ की ठगी के साये में बढ़ता साइबर खतरा और 100 करोड़ के प्लान से उम्मीद की नई शुरुआत

डिजिटल युग ने जहां आमजन के जीवन को आसान बनाया है वहीं इसके साथ एक गंभीर खतरा भी तेजी से बढ़ा है और वह है साइबर अपराध। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट, ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल ने लोगों को सुविधा तो दी है लेकिन साथ ही उन्हें ठगी और धोखाधड़ी के नए जाल में भी फंसा दिया है। राजस्थान सहित पूरे देश में साइबर अपराधों की रफ्तार जिस तेजी से बढ़ी है वह चिंताजनक है। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को साफ तौर पर उजागर करते हैं।

राजस्थान में बीते पांच सालों में साइबर क्राइम के मामलों में पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान कुल 4 लाख 49 हजार 182 शिकायतें दर्ज हुई। यह संख्या केवल आंकड़ा नहीं बल्कि उस सामाजिक और आर्थिक संकट का संकेत है जो धीरे-धीरे गहराता जा रहा है। इन मामलों में करीब 1800 करोड़ रुपए की ठगी सामने आई है जो आम लोगों की मेहनत की कमाई पर सीधा हमला है। अगर शिकायतों के निपटान की स्थिति पर नजर डालें तो 2 लाख 25 हजार 387 शिकायतों का निपटान किया गया है जबकि 2 लाख 23 हजार 795 मामलों में कार्रवाई की गई है। इसके बावजूद 2 लाख 16 हजार 355 शिकायतें अभी भी प्रक्रिया में हैं और 4288 केस ऐसे हैं जो अब भी लंबित हैं। यह स्थिति बताती है कि साइबर अपराधों से निपटने के लिए वर्तमान व्यवस्था पर दबाव बढ़ता जा रहा है। साल दर साल बढ़ते मामलों की तस्वीर और भी स्पष्ट संकेत देती है। वर्ष 2021 और 2022 में जहां शिकायतों की संख्या अपेक्षाकृत कम थी वहीं 2023 में यह तेजी से बढ़कर 63 हजार 765 तक पहुंच गई। 2024 में यह संख्या 94 हजार 409 हो गई और 2025 में 1 लाख 15 हजार 2 शिकायतें दर्ज हुई। यह लगातार बढ़ता ग्राफ बताता है कि साइबर अपराधियों के तरीके अधिक संगठित और खतरनाक होते जा रहे हैं।

सिर्फ शिकायतों की संख्या ही नहीं बल्कि ठगी की रकम भी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2022 में 158.67 करोड़ रुपए की ठगी हुई जिसमें से केवल 11 करोड़ रुपए ही वापस हासिल किए जा सके। 2023 में ठगी की राशि बढ़कर 354.55 करोड़ हो गई और रिकवरी 39.33 करोड़ तक पहुंची। 2024 में यह आंकड़ा और भयावह हो गया जब 795.9 करोड़ रुपए की ठगी सामने आई और 104.5 करोड़ रुपए की ही रिकवरी हो पाई। इससे यह स्पष्ट होता है कि ठगी की रकम बढ़ने के मुकाबले रिकवरी की दर अभी भी बहुत कम है।

इन आंकड़ों के बीच राहत की एक उम्मीद भी दिखाई देती है जब 2025 में 76.87 करोड़ रुपए की राशि रिकवर की गई। हालांकि यह पूरी ठगी के मुकाबले कम है लेकिन यह संकेत देता है कि यदि प्रयासों को मजबूत किया जाए तो स्थिति में सुधार संभव है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए राजस्थान पुलिस ने साइबर अपराधों से निपटने के लिए 100 करोड़ रुपए का एक बड़ा प्लान तैयार किया है। यह योजना केवल कागजी नहीं बल्कि एक मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा खड़ा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इसके तहत एक रीजनल साइबर क्राइम सेंटर स्थापित किया जाएगा जो आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित स्टाफ के साथ काम करेगा।

इस सेंटर के लिए 52 पद स्वीकृत किए गए हैं जिनमें पुलिस उपाधीक्षक से लेकर कांस्टेबल तक के पद शामिल हैं। इसके अलावा लेखाधिकारी और अन्य तकनीकी कर्मचारियों की भी नियुक्ति की जाएगी। हालांकि प्रस्तावित पदों की संख्या 275 बताई गई है लेकिन वर्तमान में स्वीकृत संख्या काफी कम है जिससे यह साफ है कि आने वाले समय में स्टाफ की और जरूरत पड़ेगी। इस योजना के तहत साइबर विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जाएंगी जिन पर लगभग 30 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इन विशेषज्ञों की भूमिका बेहद अहम होगी क्योंकि साइबर अपराध अब केवल तकनीकी नहीं बल्कि विश्लेषणात्मक चुनौती भी बन चुका है। डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल ट्रैकिंग जैसे आधुनिक टूल्स के जरिए अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी।

100 करोड़ रुपए के इस प्लान में से लगभग 50 करोड़ रुपए संसाधनों और स्टाफ पर खर्च किए जाएंगे जबकि करीब 60 करोड़ रुपए भवन निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास पर लगाए जाएंगे। यह निवेश इस बात का संकेत है कि सरकार अब साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देने लगी है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि पारंपरिक पुलिसिंग के तरीके अब साइबर अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। डिजिटल अपराधों की प्रकृति तेजी से बदल रही है और अपराधी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि पुलिस भी तकनीकी रूप से सशक्त बने और आधुनिक उपकरणों का उपयोग करे।

साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या का एक बड़ा कारण लोगों में जागरूकता की कमी भी है। कई लोग फर्जी कॉल, मैसेज और लिंक के जरिए ठगी का शिकार हो जाते हैं। बैंकिंग फ्रॉड, ओटीपी शेयरिंग, फेक कस्टमर केयर और सोशल मीडिया स्कैम जैसे मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यदि आमजन सतर्क रहें और बुनियादी साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करें तो इन अपराधों को काफी हद तक रोका जा सकता है। इसके साथ ही शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को भी सरल और तेज बनाने की जरूरत है। एनसीआरपी जैसे प्लेटफॉर्म पर शिकायतें दर्ज तो हो रही हैं लेकिन उनके निपटान में समय लग रहा है। यदि जांच प्रक्रिया को तेज किया जाए और तकनीकी सहायता बढ़ाई जाए तो पीड़ितों को जल्द राहत मिल सकती है। यह भी जरूरी है कि साइबर अपराधों के मामलों में राज्यों के बीच समन्वय बढ़े क्योंकि कई मामलों में अपराधी एक राज्य में बैठकर दूसरे राज्य के लोगों को निशाना बनाते हैं। ऐसे में एक मजबूत नेटवर्क और सूचना साझा करने की व्यवस्था बेहद जरूरी हो जाती है।

राजस्थान में शुरू किया जा रहा यह 100 करोड़ का प्लान यदि सही तरीके से लागू होता है तो यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल बन सकता है। इससे साइबर अपराधों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी और आमजन का डिजिटल सिस्टम पर भरोसा भी मजबूत होगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि साइबर अपराध केवल कानून व्यवस्था की समस्या नहीं बल्कि सामाजिक और तकनीकी चुनौती भी है। इससे निपटने के लिए सरकार, पुलिस और आम नागरिक तीनों को मिलकर काम करना होगा। जहां एक ओर सरकार को मजबूत ढांचा तैयार करना होगा वहीं नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा। तभी 1800 करोड़ की ठगी जैसे आंकड़ों को भविष्य में कम किया जा सकेगा और डिजिटल भारत को सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

कांतिलाल मांडोत

आग उगलती भीषण गर्मी में प्यासे कंठों की कौन सुने दास्तां

देश के कई राज्यों में इस समय भीषण और भयावह गर्मी का प्रकोप जारी है। हर वर्ष तापमान अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ते हुए नई ऊंचाइयां छू रहा है। आसमान से बरसती आग ने मानो समस्त जीव-जंतुओं के कंठ सूखा दिए हैं। यह बढ़ती हुई भीषण गर्मी कहीं न कहीं मानव द्वारा किए जा रहे पर्यावरण के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति-विनाश का परिणाम है। इसी के चलते जल के प्राकृतिक स्रोत समाप्त हो रहे हैं और भूजल स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। जंगलों के अंधाधुंध विनाश के कारण अनेक प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिससे मूक वन्यजीवों के जीवन पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पानी प्रकृति के समस्त जीवों की मूलभूत और अनिवार्य आवश्यकता है, लेकिन विडंबना यह है कि जब यही आवश्यकता पूरी नहीं हो पा रही, तो जीवों के अस्तित्व पर संकट गहराना स्वाभाविक है।

यह स्वीकार करना होगा कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी देश के कई ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पेयजल के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ऐसे में यह कल्पना करना कठिन नहीं कि वन्यजीव अपनी प्यास बुझाने के लिए कितनी कठिनाइयों का सामना करते होंगे। मानव जीवन के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु केंद्र और राज्य सरकारें हर वर्ष अनेक प्रयास करती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर ये प्रयास अभी भी अपर्याप्त सिद्ध हो रहे हैं। विशेषकर सुदूर ग्रामीण अंचलों में पेयजल व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सरकार की 'नल-जल योजना' एक महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी पहल है। बावजूद इसके, कई स्थानों पर जिला प्रशासन की उदासीनता के कारण इन योजनाओं का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। अनेक गाँवों में बनी पानी की टंकियाँ केवल दिखावा बनकर रह गई हैं। ये टंकियाँ प्यासे कंठों को राहत देने के बजाय व्यवस्था की खामियों का प्रतीक बनती जा रही हैं।

पानी हर जीव की मूलभूत आवश्यकता है, और यदि इसी आवश्यकता की पूर्ति में कमी रह जाए, तो यह न केवल गंभीर लापरवाही है, बल्कि अक्षम्य अपराध के समान है। भीषण गर्मी में जब लोग घर से बाहर निकलने से बचते हैं, तब ग्रामीण क्षेत्रों के लोग मीलों दूर से पानी लाने को विवश होते हैं। जल संकट के कारण मूक पशु-पक्षियों का जीवन बचाना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है।

प्रकृति-विनाश के चलते बढ़ती गर्मी और अस्तित्व बचाने के लिए भटकते वन्यजीव–ये दोनों ही हमारी सामूहिक जिम्मेदारी हैं। ऐसे में सरकार और समाज को मिलकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम छोर तक मानव और वन्य प्राणियों के लिए पेयजल की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

यदि इस दिशा में ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए, तो देश के हर कोने में सभी जीवों के लिए पर्याप्त और सुरक्षित जल उपलब्ध कराया जा सकता है। अन्यथा, हर वर्ष की भाँति आग उगलती गर्मी में प्यासे मूक प्राणियों की दास्तां अधूरी ही रह जाएगी।

अरविंद रावल

भारतीय गणितीय मेधा का संघर्ष और उनका विश्वव्यापी प्रभाव

भारत की पावन धरा अनादि काल से ही ज्ञान और विज्ञान की जननी रही है। इस भूमि ने समय समय पर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है जिन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा से न केवल राष्ट्र को गौरवान्वित किया बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त किया। इन्हीं दैदीप्यमान नक्षत्रों में से एक नाम है श्रीनिवास रामानुजन का। वे एक ऐसे गणितज्ञ थे जिनकी मेधा ने आधुनिक काल में पूरे विश्व को विस्मय में डाल दिया। उनका जीवन इस शाश्वत सत्य का जीवंत उदाहरण है कि यदि मनुष्य के भीतर अटूट लगन, अदम्य साहस और तीव्र जिज्ञासा हो तो वह अभावों के अंधकार को चीरकर सफलता के सूर्य तक पहुँच सकता है। रामानुजन ने अपनी अल्पायु में ही गणित के क्षेत्र में जो कीर्तिमान स्थापित किए वे आज भी शोधार्थियों के लिए पहेली और प्रेरणा बने हुए हैं। उनका जन्म 22 दिसंबर 1887 को तमिलनाडु के इरोड नामक एक छोटे से स्थान पर हुआ था। उनके पिता का नाम के. श्रीनिवास अयंगार था जो एक साधारण मुनीम के रूप में कार्य करते थे और माता का नाम कोमलतम्मल था। उनका परिवार अत्यंत सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंध रखता था जिसके कारण बचपन से ही उन्हें भौतिक सुख सुविधाओं की कमी खलती रही पर उनकी मानसिक संपदा इतनी धनी थी कि बाहरी बाधाएँ उन्हें अधिक समय तक रोक न सकीं।

रामानुजन का प्रारंभिक जीवन कुंभकोणम की गलियों में बीता जहाँ उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा ग्रहण की। बचपन से ही उनके व्यवहार में एक विशेष प्रकार की गंभीरता और एकाग्रता देखी जा सकती थी। जब उनके आयु के अन्य बालक खेलकूद में व्यस्त रहते थे तब रामानुजन संख्याओं के रहस्यों को सुलझाने में लीन रहते थे। उनका मन विद्यालयी पाठ्यक्रम की सीमाओं को लांघकर गणित की उस अनंत गहराइयों में उतरने के लिए व्याकुल रहता था जहाँ केवल शुद्ध तर्क और सूत्र विद्यमान थे। कहा जाता है कि मात्र 13 वर्ष की आयु में उन्होंने उच्च गणित के उन सिद्धांतों को समझ लिया था जिन्हें सामान्यतः स्नातक स्तर के विद्यार्थी भी कठिन मानते हैं। उनकी रुचि इतनी गहरी और एकाग्र थी कि वे अन्य विषयों की ओर ध्यान ही नहीं दे पाते थे। यही कारण था कि उनकी औपचारिक शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न हुआ। वे गणित की परीक्षा में तो शत प्रतिशत अंक प्राप्त करते थे परंतु इतिहास, भूगोल और अंग्रेजी जैसे विषयों में उनकी रुचि न होने के कारण वे असफल हो जाते थे। इस कारण उनकी छात्रवृत्ति भी रुक गई और उन्हें कई बार महाविद्यालय छोड़ना पड़ा। यह उनके जीवन का एक कठिन दौर था जहाँ समाज उन्हें एक असफल विद्यार्थी के रूप में देख रहा था परंतु उनके भीतर के गणितज्ञ को स्वयं पर पूर्ण विश्वास था।

शिक्षा अधूरी रहने के बाद भी रामानुजन ने अपने शोध कार्य को कभी थमने नहीं दिया। वे निरंतर अपनी पुस्तिकाओं में नए नए सूत्रों को अंकित करते रहते थे। उनके पास अध्ययन के लिए न तो कोई श्रेष्ठ पुस्तकालय था और न ही कोई अनुभवी मार्गदर्शक। वे स्वयं ही अपने शिक्षक थे और स्वयं ही शिष्य। उनके पास लिखने के लिए कागज की भी कमी रहती थी इसलिए वे एक स्लेट पर अपनी गणनाएं करते और अंतिम परिणाम को अपनी पुस्तिका में लिख लेते थे। यही वे पुस्तिकाएं थीं जो बाद में चलकर गणितीय जगत की सबसे बड़ी निधि बनीं। आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में एक साधारण लिपिक की नौकरी कर ली ताकि परिवार का भरण पोषण हो सके। इसी दौरान उनके अधिकारियों ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें प्रोत्साहित किया। रामानुजन के जीवन में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब उन्होंने इंग्लैंड के विख्यात गणितज्ञ जी. एच. हार्डी को पत्र लिखा। उस पत्र में उन्होंने अपने द्वारा खोजे गए लगभग 120 जटिल सूत्र और प्रमेय संकलित किए थे। हार्डी उन सूत्रों को देखकर स्तब्ध रह गए क्योंकि उनमें से कई सूत्र ऐसे थे जिनकी कल्पना भी उस समय के श्रेष्ठ यूरोपीय गणितज्ञों ने नहीं की थी। हार्डी ने तुरंत पहचान लिया कि यह किसी साधारण व्यक्ति का कार्य नहीं है बल्कि एक दुर्लभ प्रतिभा का प्रमाण है।

हार्डी के निमंत्रण पर 1914 में रामानुजन इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय पहुँचे। वहां का वातावरण, संस्कृति और खानपान उनके लिए पूर्णतः भिन्न था। एक शाकाहारी और धार्मिक व्यक्ति होने के नाते उन्हें वहां कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा परंतु उनका लक्ष्य अटल था। उन्होंने हार्डी के साथ मिलकर शोध कार्य प्रारंभ किया। वहां उनकी प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह पहचान मिली जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने संख्या सिद्धांत, अनंत श्रेणियों, विभाजन सिद्धांत और निरंतर भिन्नों के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किए। उनकी कार्यशैली बहुत अद्भुत थी। वे अक्सर बिना किसी लंबी प्रक्रिया के सीधे परिणाम प्रस्तुत कर देते थे। जब उनसे पूछा जाता कि ये सूत्र उनके मन में कैसे आते हैं तो वे बड़ी विनम्रता से कहते थे कि उनकी कुलदेवी उन्हें स्वप्न में ये सूत्र प्रदान करती हैं। यह उनकी श्रद्धा और मानसिक एकाग्रता का चरमोत्कर्ष था। उनकी खोजें इतनी सूक्ष्म थीं कि उन्हें सिद्ध करने में अन्य विद्वानों को दशकों का समय लग गया। 1918 में उन्हें रॉयल सोसाइटी का सदस्य निर्वाचित किया गया जो उस समय किसी भी भारतीय के लिए अपूर्व सम्मान था। इसी वर्ष उन्हें ट्रिनिटी महाविद्यालय के अधिछात्र के रूप में भी चुना गया।

इंग्लैंड की विषम जलवायु और द्वितीय विश्व युद्ध के समय उपलब्ध भोजन की सीमाओं ने उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। वे शाकाहारी थे और स्वयं खाना बनाकर खाते थे पर कार्य की अधिकता के कारण वे स्वास्थ्य की उपेक्षा करते रहे। उन्हें तपेदिक जैसी गंभीर बीमारी ने घेर लिया। अस्वस्थता की स्थिति में भी उनका मस्तिष्क निरंतर संख्याओं के बीच विचरण करता रहता था। उनके जीवन की एक बहुत ही प्रसिद्ध घटना उनके और हार्डी के बीच की बातचीत है जिसे आज 1729 की संख्या के रूप में जाना जाता है। जब हार्डी उनसे मिलने चिकित्सालय पहुँचे तो उन्होंने उल्लेख किया कि जिस वाहन से वे आए उसका अंक 1729 था जो कि एक अत्यंत ही निरर्थक और साधारण सा अंक प्रतीत होता है। रामानुजन ने तुरंत उत्तर दिया कि यह संख्या साधारण नहीं है बल्कि बहुत ही विशेष है क्योंकि यह सबसे छोटी ऐसी संख्या है जिसे दो अलग अलग तरीकों से दो घनों के योग के रूप में व्यक्त किया जा सकता है। उनके अनुसार 1729 को 1 के घन और 12 के घन के योग के रूप में भी देखा जा सकता है और 9 के घन तथा 10 के घन के योग के रूप में भी। इस घटना ने विश्व को बताया कि उनके लिए संख्याएं केवल प्रतीक नहीं थीं बल्कि वे उनके सजीव मित्रों के समान थीं।

स्वास्थ्य में सुधार न होने के कारण वे 1919 में भारत लौट आए। भारत आने पर उनका भव्य स्वागत हुआ परंतु उनकी शारीरिक स्थिति निरंतर बिगड़ती जा रही थी। वे अपने अंतिम समय तक भी बिस्तरे पर लेटे लेटे गणित के नए सूत्र लिखते रहे। अंततः 26 अप्रैल 1920 को मात्र 32 वर्ष की अल्पायु में इस महान आत्मा ने पार्थिव शरीर त्याग दिया। रामानुजन का जीवन भले ही छोटा रहा हो लेकिन उनकी उपलब्धियां सदियों तक जीवित रहेंगी। उन्होंने आधुनिक गणित को जो दिशा दी उसका उपयोग आज कंप्यूटर विज्ञान, भौतिकी और यहाँ तक कि अंतरिक्ष विज्ञान में भी किया जा रहा है। उनके द्वारा छोड़ी गई अप्रकाशित पुस्तिकाओं पर आज भी विश्व भर के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शोध कार्य चल रहा है। भारत सरकार ने उनके अद्वितीय योगदान को सम्मान देते हुए उनके जन्मदिवस 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में घोषित किया है ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन से प्रेरणा ले सकें।

रामानुजन की कहानी केवल गणित की सफलता की कहानी नहीं है बल्कि यह मनुष्य की जिजीविषा और तपस्या की गाथा है। उन्होंने सिद्ध किया कि ज्ञान की साधना के लिए सुख सुविधाओं का होना अनिवार्य नहीं है बल्कि आंतरिक प्रकाश ही सबसे बड़ा मार्गदर्शक होता है। उनके जीवन के संघर्ष यह संदेश देते हैं कि असफलताएं केवल एक विराम हैं अंत नहीं। यदि वे अपनी परीक्षा की विफलताओं से हार मान लेते तो आज विश्व उनके महान सिद्धांतों से वंचित रह जाता। उनकी विनम्रता, सरलता और अपनी संस्कृति के प्रति प्रेम उन्हें एक पूर्ण मानव बनाते हैं। आज जब हम आधुनिक युग की नई तकनीकी प्रगति को देखते हैं तो हमें उस महान गणितज्ञ का स्मरण अवश्य करना चाहिए जिसने अपनी कल्पना की शक्ति से शून्य से अनंत की यात्रा पूर्ण की। उनकी स्मृति हमारे हृदय में सदैव बनी रहेगी और उनकी प्रतिभा का आलोक पीढ़ियों को गणित की गूढ़ता को समझने के लिए प्रेरित करता रहेगा। उनका जीवन सदैव यह सिखाता रहेगा कि सच्ची लगन से असंभव को संभव बनाया जा सकता है। भारत की इस महान विभूति को शत शत नमन है जिनके कार्यों ने देश का मस्तक पूरे विश्व में गर्व से ऊंचा कर दिया।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। नोटः-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

होमगार्ड परीक्षा से लौट रहे दोस्तों की बाइक डिवाइडर से टकराई, दो घायल, एक की हालत गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। उन्नाव हाईवे पर तेज रफ्तार एक बार फिर हादसे की वजह बनी होमगार्ड की परीक्षा देकर लौट रहे दो दोस्तों की बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना कुंभडौरा गांव के पास की है। गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र के गुंडा रसूलपुर गांव निवासी शैलेंद्र (28) अपने दोस्त और रिश्तेदार अनुज (18) के साथ कानपुर में होमगार्ड की परीक्षा देने गए थे। परीक्षा के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में अचानक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। राहगीरों ने मानवता दिखाते हुए दोनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक तेज गति में थी। बाइक चला रहा अनुज हेलमेट पहने था लेकिन टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों डिवाइडर पर लगे मैटेलिक गार्ड से जा टकराए। सूचना पर पहुंच पहुंची पुलिस ने जरुरी कार्रवाई कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया।

स्व0 उमा शंकर जी की पंचमी पुण्यतिथि पर 28 अप्रैल को होगा भव्य धार्मिक, सामाजिक एवं भक्ति कार्यक्रम

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उमा ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन रोशन सिंह 'चंदन' द्वारा अपने स्वर्गीय पिता की पंचमी पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को अप्रैल को इंदिरा नगर स्थित उमा पैलेस-2 में भव्य धार्मिक, सामाजिक एवं भक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सुबह गौशाला में हजारों गायों को फल व चारा खिलाया जाएगा, साथ ही बंदरों एवं अन्य पशुओं को भी भोजन कराया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत शाम को विभिन्न प्रदेशों से आए कलाकारों द्वारा भव्य भक्ति संध्या प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का भी आयोजन रखा गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे। रोशन सिंह 'चंदन' ने बताया कि इस आयोजन में समाज के गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, पत्रकार बंधु एवं क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। प्रेस कांफ्रेस के दौरान आचार्य मनोज पाण्डेय, पूर्व मैनेजर कोआपरेटिव बैंक कृपाशंकर मिश्रा , स्वामीनाथ यादव, मनीष उमरावँ, अवनीश सिंह उपस्थित रहे।

लखनऊ का पारा 43ए पार, 47.4ए डिग्री सेल्सियस के साथ देश में सबसे गर्म रहा उत्तर प्रदेश का बांदा

लखनऊ। प्रदेश में गर्मी ने अप्रैल माह में ही अधिकतम तापमान का नया रिकार्ड बना दिया है। रविवार को प्रदेश का बांदा 47.4 डिग्री सेल्सियस के साथ देश में सबसे गर्म जिला रहा। राजधानी लखनऊ का दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के 27 अप्रैल तक लू से राहत के आसार नहीं हैं। रविवार को प्रदेश का औसत तापमान 45°C के करीब है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लगातार दूसरे दिन भीषण गर्मी से हालात गंभीर हैं। भीषण गर्मी से उत्तर भारत उबलने की कगार पर है। प्रदेश का बांदा आज 47.4 डिग्री सेल्सियस के साथ देश में सबसे गर्म जिला रहा। लखनऊ में अधिकतम तापमान 43°C पहुंच गया, जो अप्रैल माह का रिकॉर्ड है। मौसम विभाग ने 26 अप्रैल को की चेतावनी जारी की थी। लखनऊ में सुबह नौ बजे से ही लू चलने लगी थी। शुक्रवार को लखनऊ में अधिकतम तापमान लगभग 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.4 डिग्री अधिक था। 47.4°C के साथ आज बांदा देश में सबसे गर्म था।

बांदा सबसे गर्म-बांदा आज देश में सबसे गर्म रहा। यहां 47.4°C तापमान दर्ज किया गया है, अप्रैल में यह रिकॉर्ड तापमान 2022 जैसा है। इसके अलावा प्रयागराज देश में चौथे स्थान पर रहा। यहां पारा 45.5°C रहा। वाराणसी 45°C के पार के साथ पांचवें स्थान पर रहा। मेरठ और आगरा समेत कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 27 अप्रैल तक लू से राहत के आसार नहीं हैं। प्रदेश में कहीं-कहीं रात्रि भी भीषण गर्म रहने की संभावना है।

यूपी बनेगा ग्लोबल फार्मा हब, सीएम योगी ने 17 कंपनियों को दिया 'लेटर ऑफ कम्फर्ट', 2000 करोड़ का होगा निवेश

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 फार्मा कंपनियों को 'लेटर ऑफ कम्फर्ट' प्रदान किया, जिससे उत्तर प्रदेश में 2000 करोड़ का निवेश होगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 17 फॉर्मा कंपनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) प्रदान किया। मुख्यमंत्री जी ने सभी निवेशकों को सफलतम निवेश की शुभकामना दी और कहा कि आज का दिन प्रदेश के औद्योगिक व स्वास्थ्य सेवा के लिए ऐतिहासिक पड़ाव है। मुख्यमंत्री जी ने निवेशकों को विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश में सेफ्टी, स्टेबिलिटी व स्पीड की गारंटी है। प्रदेश अब ट्रस्ट व टाइमली डिलीवरी के लिए पहचाना जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश हर रिलायबल पॉलिसी पार्टनर के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में नए भारत का दर्शन हो रहा है। देश की अर्थव्यवस्था ने नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। हम 200 देशों को सस्ती व गुणवत्तापरक दवाइयां उपलब्ध करा रहे हैं। विगत दिनों हुए फॉर्मा कॉन्क्लेव ने ग्लोबल हेल्थटेक के मैप पर उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि आपका निवेश केवल फॉर्मा/मेडिकल डिवाइस के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता के विश्वास के साथ जुड़ा है। लगभग 2000 करोड़ का निवेश रिसर्च एवं डवलपमेंट में उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायता करेगा। इस निवेश से उत्तर प्रदेश के 10 हजार से अधिक स्किल्ड/अनस्किल्ड युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों का परिणाम धरातल पर दिखाई दे रहा है। यूपी में निवेश से नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। विगत 9 वर्ष में सरकार की स्पष्ट नीति व साफ नीयत के कारण उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से निकलकर देश का ग्रोथ इंजन बना है। यूपी का जीएसडीपी बढ़कर 36 लाख करोड़ हो गया है। सीएम योगी ने निवेशकों से कहा कि यूपी बड़ा मार्केट है। यहां का माहौल उद्योगों के अनुकूल है। यहां पर्याप्त लैंडबैंक है। यूपी में हर सेक्टर में कार्य करने वाला वर्कफोर्स उपलब्ध है। यहां का 56 फीसदी वर्कफोर्स युवा है। इन युवाओं को स्किल, इनोवेशन व टेक्नोलॉजी से जोड़कर मार्केट की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। प्रदेश में वर्तमान में 21 हजार से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि विकास की पहली शर्त कानून व्यवस्था है। 2017 के पश्चात यूपी की सुदृढ़ कानून व्यवस्था से देश-दुनिया परिचित है। प्रदेश अब पॉलिसी पैरालिसिस से निकलकर पॉलिसी स्टेबिलिटी तक पहुंच गया है। यहां 34 से अधिक सेक्टोरल पॉलिसी है। निवेश मित्र, निवेश सारथी, उद्यमी मित्र उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद यूपी में आए बदलावों से भी अवगत कराया। कहा कि 2017 में यूपी में 14 हजार कारखाने थे, जो आज बढ़कर 32 हजार हो गए हैं। इनसे व्यापक रोजगार सृजन हुआ है। यूपी में अब तक 45 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 15 लाख करोड़ के प्रस्ताव धरातल पर उतारे जा चुके हैं। जल्द ही 7 से 8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतारे जाएंगे। मुख्यमंत्री जी

ने निवेशकों को यूपी की सफलता की कहानी भी बताई। 2017 तक यूपी में 40 मेडिकल कॉलेज थे, आज यह संख्या बढ़कर 83 हो गई है। हर मेडिकल कॉलेज के साथ नर्सिंग कॉलेज भी है। यहां दो एम्स (गोरखपुर व रायबरेली) भी हैं। राज्य में आयुष विश्वविद्यालय संचालित हो चुका है। ललितपुर में 1500 एकड़ में फॉर्मा पार्क विकसित किया जा रहा है। नोएडा में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित कर रहे हैं। इसमें अब तक 100 से अधिक कंपनियां जुड़ चुकी हैं। फॉर्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर उत्सुकता जताई और विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उनका निवेश ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

राहुल गांधी ने खुद बताया उन पर कितने केस दर्ज, बोले-'मैं बेल पर हूं'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का माहौल अब पूरी तरह गरम हो चुका है। दूसरे चरण की वोटिंग से पहले राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में कोलकाता में आयोजित एक रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंच से जमकर हमला बोला। उन्होंने न सिर्फ मुख्यमंत्री ममता बनर्जीपर, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी प्रहार किया। राहुल गांधी का भाषण सीधा और आक्रामक था। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच अंदरखाने कोई एक समझ है। उनका कहना था कि केंद्र सरकार ने उनके खिलाफ कई केस दर्ज कर रखे हैं, लेकिन ममता बनर्जी पर कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर टीएमसी पर भ्रष्टाचार के इतने आरोप हैं, तो फिर जांच एजेंसियां चुप क्यों हैं? रैली में बोलते हुए राहुल ने अपनी स्थिति का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि वह इस समय बेल पर हैं और उनके खिलाफ कई कार्रवाई हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म कर दी गई, सरकारी घर खाली करवाया गया और एजेंसियों ने उनसे लंबी पूछताछ की। इसके उलट, उन्होंने पूछा कि आखिर ममता बनर्जी से ऐसी कोई पूछताछ क्यों नहीं की गई। ममता बनर्जी के खिलाफ 36,38,40 केस क्यों नहीं हुए, जैसे उनपर हुए हैं। राहुल गांधी यहीं नहीं रुके। उन्होंने टीएमसी सरकार पर लगे पुराने आरोपों को भी सामने रखा। उन्होंने शारदा और रोज वैली जैसे चिटफंड घोटालों का जिक्र किया और कहा कि लाखों लोगों की मेहनत की कमाई इन योजनाओं में फंस गई। उनका दावा था कि राज्य में 'गुंडा टैक्स' जैसी व्यवस्था चल रही है, जहां आम लोगों पर दबाव डालकर पैसा वसूला जाता है। उनके भाषण का सबसे अहम हिस्सा था यह आरोप कि भाजपा असल में टीएमसी से नहीं, बल्कि कांग्रेस से लड़ रही है। राहुल ने कहा कि भाजपा को असली चुनौती कांग्रेस और उसके नेताओं से है, इसलिए वह विपक्ष को कमजोर करने में लगी हुई है।

पदयात्रा से दिया युवाओं को स्वरोजगार से जुड़ने का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। स्वदेशी जागरण मंच की लालगंज इकाई ने रविवार को स्वरोजगार जनजागरूकता पदयात्रा निकाली। यात्रा निराला नगर स्थित स्वावलंबन केंद्र से शुरू हुई। बाजार क्षेत्र से होते हुए गांधी चौराहे पर इसका समापन हुआ। पदयात्रा का नेतृत्व प्रांत संयोजक अमित सिंह वत्स ने किया। समापन पर सभी ने स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, युवा उद्यमी योजना, प्रधानमंत्री रोजगार योजना और पशुपालन विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। अमित सिंह वत्स ने कहा कि नगर में स्वावलंबन केंद्र शुरू किया गया है। यहां योजना की जानकारी, पंजीकरण, प्रशिक्षण और ऋण संबंधी मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने सुपर 100 उद्यमी अभियान की जानकारी दी। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्र के 100 युवाओं का चयन कर उन्हें उद्यमी बनाया जाएगा। पदयात्रा में स्वदेशी और विदेशी वस्तुओं की सूची भी वितरित की गई।

लोगों से स्थानीय उत्पाद अपनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में आरएसएस के जिला व्यवस्था प्रमुख इंद्रेश ने अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं के पंजीकरण पर जोर दिया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, चंद्र प्रकाश पांडे, रविंद्र सिंह,राजेश कुमार निर्मल मौजूद समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

होमगार्ड्स इनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा सकुशल सम्पन्न

आयोजित परीक्षा में 5132 उपस्थित एवं 1877 अनुपस्थित रहें

रायबरेली:- अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने बताया कि आज की आयोजित होमगार्ड्स इनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा में प्रथम पाली में 2547 अभ्यर्थी उपस्थित व 957 अभ्यर्थी अनुपस्थित एवं द्वितीय पाली में 2585 अभ्यर्थी उपस्थित व 920 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें, इस प्रकार दोनो पालियों में 5132 अभ्यर्थी उपस्थित व 1877 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षार्थियों के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाए की गई है, परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सभी केन्द्रों पर अधिकारियों द्वारा भ्रमणशील रहकर लगातार निगरानी की गई।

जन्मदिन की खुशियां मातम में बदलीं: नदी में डूबने से युवक की मौत

● परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर-शाहजहांपुर। खुशियों से भरे एक जन्मदिन समारोह का माहौल उस समय मातम में बदल गया, जब उसमें शामिल होने आया एक युवक कठिना नदी में डूब गया। जिससे मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। थाना कांट क्षेत्र के ग्राम बलीपुर निवासी शोबिंद (20) शुक्रवार को अपने दोस्त की बहन के जन्मदिन में शामिल होने के लिए ग्राम ढकिया रघा आया था। परिजनों के अनुसार, वह घर से हंसते-खेलते निकला था, लेकिन किसी को अंदाजा भी नहीं था कि यह उसकी आखिरी यात्रा साबित होगी।शनिवार को वह अपने दोस्त और अन्य साथियों के साथ कठिना नदी में नहाने गया। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते लहरों में समा गया। साथियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़े, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से काफी देर तक तलाश अभियान चलाया और आखिरकार युवक का शव नदी से बाहर निकाला जा सका। शव जैसे ही घर पहुंचा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां-बाप का सहारा छिन जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पिता मुखिया यादव, भाई गोविंद और बहन नेहा सहित पूरे परिवार का दर्द शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। उधर, मृतक के परिजनों ने इस घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि शोबिंद को योजनाबद्ध तरीके से बुलाया गया और साजिश के तहत नदी में डुबोकर उसकी

हत्या कर दी गई। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है, ताकि सच्चाई सामने आ सके। प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कहां कि रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मलिहाबाद में उबाल: मलिहा पासी स्मृति द्वार न लगने पर उग्र प्रदर्शन

● हाईवे जाम से थमा जनजीवन, प्रशासन फिर आश्वासन पर टिका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ: मलिहाबाद में मलिहा पासी स्मृति द्वार को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर सड़क पर उतर आया और रविवार को क्षेत्र में बड़े आंदोलन का रूप ले लिया। प्रशासन द्वारा पूर्व में दिए गए आश्वासन के बावजूद स्मृति द्वार स्थापित न होने से नाराज लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए लखनऊ-हरदोई हाईवे को जाम कर दिया, जिससे करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। आंदोलन की खास बात यह रही कि इसमें महिलाओं की भी भारी भागीदारी देखने को मिली। ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न समुदायों के लोगों ने एकजुट होकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि प्रशासन लगातार सिर्फ आश्वासन दे रहा है, लेकिन

जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मौके पर स्थिति को संभालने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। करीब आधा दर्जन से अधिक थानों की पुलिस के साथ भारी संख्या में पीएसी बल तैनात किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने लगातार प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। इस आंदोलन में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर की मौजूदगी ने इसे और अधिक राजनीतिक महत्व दे दिया। उन्होंने मौके पर ही प्रवास पर बैठने का ऐलान करते हुए साफ कहा कि जब तक मलिहा पासी स्मृति द्वार दोबारा स्थापित नहीं हो जाता, तब तक वे यहीं डटे रहेंगे। उनके इस फैसले से आंदोलनकारियों का हौसला और बढ़ गया और बड़ी संख्या में लोग उनके समर्थन में जुटे रहे। वहीं, सुहेलदेव आर्मी के चीफ योगेश पासी और लाखन आर्मी के चीफ सूरज पासी भी आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल हुए। दोनों नेताओं ने प्रशासन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सिर्फ एक स्मृति द्वार का मामला नहीं, बल्कि समाज के सम्मान और पहचान से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और भी व्यापक और उग्र रूप ले सकता है। प्रदर्शन के दौरान कई बार माहौल तनावपूर्ण भी हुआ, लेकिन पुलिस और प्रशासन की सूझबूझ से स्थिति नियंत्रण में रही। काफी देर तक चली बातचीत के बाद प्रशासन ने एक बार फिर प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि जल्द ही स्मृति द्वार को पुनः स्थापित कराया जाएगा और इस बार कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं होगी। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया है कि अब वे केवल आश्वासन पर भरोसा नहीं करेंगे। उनका कहना है कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसमें चक्काजाम, धरना-प्रदर्शन और बड़े स्तर पर विरोध शामिल हो सकता है। फिलहाल प्रशासन के नए आश्वासन के बाद जाम को समाप्त करा दिया गया और यातायात बहाल हो गया, वहीं मंत्री कौशल किशोर ने ऐलान किया कि जबतक यह स्मृति द्वार नहीं लग जाता तब तक वह यही पर प्रवास पर बैठे रहेंगे7लेकिन मलिहाबाद में हालात अब भी संवेदनशील बने हुए हैं। आने वाले दिनों में प्रशासन इस मुद्दे को किस तरह सुलझाता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी की बैठक संपन्न 14 मई से आंदोलन का निर्णय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। कानपुर राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी की बैठक शास्त्री नगर बड़ा सेंट्रल पार्क बगिया गेट नंबर चार में संपन्न हुई, बैठक में शासनादेशो का अनुपालन न होने के विरोध में 14मई से आंदोलन करने का निर्णय लिया गया,, राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने बताया कि महामहिम राज्यपाल के निर्देश पर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में 18 मार्च 2025 को विधानसभा लखनऊ में बैठक थी, बैठक में प्रमुख सचिव राज्यपाल, राज्य आयुक्त दिव्यांग जन और उत्तर प्रदेश शासन के समस्त विभागों के प्रमुख सचिव शामिल थे, बैठक में दिव्यांग जनों के 24 सूत्री मांगों पर सहमति बनी थी, जिसमें बधिर दिव्यांगो के दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए उत्तर प्रदेश के 54 जिलों में बेरा जांच मशीन लगाने, दिव्यांग जनों को रोजगार, आवास सरकारी नौकरियों में आरक्षण कोटा पूरा करने,राशन दुकानों में दिव्यांग जनों को आरक्षण कोटा देने पेंशन की राशि पांच हजार ऐ, दिव्यांग जन अधिनियम 2016 का अनुपालन करानें ऊ24 सूत्रीय मांगों के मामले में निर्देश दिए गए थे,किसी भी मामले में जनपद स्तरीय अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की, पुलिस आयुक्त कार्यालय ने राज्य आयुक्त दिव्यांग जन को अनुपालन की फर्ज़ी सूचना भेज कर पत्रावली बंद कर दी, वीरेंद्र कुमार ने कहा कि आज की बैठक में निर्णय लिया गया कि शासन के आदेशों का अनुपालन नहीं होता है, और दिव्यांग जनों को इसका लाभ नहीं दिया जाता है तों 14 मई से राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी आंदोलन के लिए बाध्य होगी,,आज इसके लिए सभी विभागों को नोटिस जारी किया गया है बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, वैभव दीक्षित, गुड्डी दीक्षित, ओमप्रकाश, गौरव, कुमार रंजीत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

रास्ते में रोककर मारपीट, तीन नामजद पर केस दर्ज

तालबेहट। पूराकलां थाना क्षेत्र में शादी समारोह से लौट रहे दंपति के साथ रास्ते में रोककर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम भैसनवाराकलां निवासी अशोक यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 24 अप्रैल की रात करीब 11 बजे अपनी पत्नी संध्या के साथ ग्राम कन्धारीकलां से शादी समारोह से मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में गांव के ही दयालु, राहुल तथा रामपाल उर्फ हल्ले ने उसे रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों व डंडों से मारपीट कर दी तथा जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महाराज पुर में तेज रफ्तार बोलेरो ने टैंट कारोबारी को कुचला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना महाराज पुर क्षेत्र में तेज रफ्तार बोलेरो ने सड़क पार कर रहे, टैंट कारोबारी को कुचल दिया,, गंभीर रूप से घायल युवक को पुलिस ने कांशीराम अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई,, घटना के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया,, महाराज पुर थाना क्षेत्र के रूमा निवासी रामचंद्र 32 वर्ष टैंट कारोबारी थे,, परिवार में पिता ब्रजलाल, पत्नी रीना, और दो बच्चे,रूद्र,और त्रिशा,, परिजनों के मुताबिक रामचंद्र शनिवार को एक शादी में टैंट और डीजे लगानें का काम करने गाए गए थे,देर रात करीब 10 बजें काम ख़त्म करके घर लौटते समय हादसा हुआ,, बताया गया है प्रयागराज की ओर से आ रही एक तेज़ रफ़्तार बोलेरो ने सड़क पार कर रहे रामचंद्र को टक्कर मार दी, टक्कर के बाद भागने के प्रयास में चालक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे सिर,हाथ,और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटे आई,, घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और पुलिस ने घायल को पहले एक निजी अस्पताल पहुंचाया,, महाराज पुर थाना प्रभारी निरीक्षक के अनुसार बोलेरो चालक की तलाश की जा रही है क्षेत्र में लगें सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है,,, उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपी चालक को वाहन समेत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा,, घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया, जिससे परिवार का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

यूपी में राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी के घर पर बुलडोजर चलाने का आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। देवरिया शहर के देवरिया खास स्थित मनोकामनापूर्ण हनुमान मंदिर के पीछे विवादित भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को लेकर विनियमित क्षेत्र ने फैसला सुनाया है। न्यायालय ने राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम की चहारदीवारी निर्माण को अनधिकृत मानते हुए उसे गिराने का आदेश दिया है। राज्य मंत्री ने निर्णय को गलत बताते हुए डीएम कोर्ट में अपील करेंगी। प्रकरण में मंदिर के उत्तराधिकारी महंत राजेश नारायण दास सहित अन्य स्थानीय लोगों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मंदिर की भूमि व आसपास की जमीन पर अवैध कब्जा कर चहारदीवारी व गेट का निर्माण कराया जा रहा है। अवर अभियंता व तहसील प्रशासन की रिपोर्ट में पाया गया कि संबंधित भूमि (आराजी संख्या 2904) में दर्ज रकबे से अधिक क्षेत्र पर निर्माण किया गया है, जबकि बैनामा की गई जमीन मौके पर उपलब्ध नहीं थी। साथ ही समीप की

भूमि (आराजी 2905 व 2906) अभिलेखों में पोखरी व भीटा के रूप में दर्ज पाई गई। जांच रिपोर्ट में करीब 609.70 वर्गमीटर क्षेत्र में बिना स्वीकृति निर्माण की पुष्टि हुई। न्यायालय ने माना कि यह निर्माण आरबीओ एक्ट की धारा छह का उल्लंघन है और इससे सार्वजनिक हित की भूमि प्रभावित हो रही है। विपक्षी पक्ष की ओर से प्रस्तुत आपत्तियों को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में खारिज करते हुए न्यायालय ने धारा 10 के तहत ध्वस्तीकरण आदेश पारित कर दिया। साथ ही संबंधित विभाग को आदेश के अनुपालन के निर्देश दिए गए हैं। इस मामले में एसडीएम व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्रुति शर्मा ने ध्वस्तीकरण का आदेश भले ही पारित किया है, लेकिन 30 दिन का समय मिला है। राज्य मंत्री इस अवधि में डीएम (नियंत्रक प्राधिकारी) कोर्ट में अपील कर सकती हैं। राज्यमंत्री ने बताता की उत्तराधिकारी राजेश नारायण को मोहरा बनाकर कुछ लोग छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। केवल चहारदीवारी कराई गई है। मामले में डीएम कोर्ट में कल तक अपील हो जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

सिलापथार बारूवती में 19वां रंगाली बिहू सम्मेलन का आयोजन

असम धेमाजी- सिलापथार बारूवती में बारुवती आंचलिक युवा समाज और बारुवती गांव के लोगों द्वारा आयोजित इस 19वां रंगाली बिहू सम्मेलन कल से 12, 13 और 14 बहाग तीन दिवसीय विस्तार कार्यकमों के साथ कल से शुभारंभ किया जाएगा। तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। गांव में कई युवाओं ने मिलकर हर तरफ के तैयारियां ने लगे हुए हे , बुजुर्ग लोगों ने भी कार्य में हाथ बटाते हुए दिखाई दी ।सम्मेलन में कई सांस्कृतिक प्रतियोगिता को शामिल किया गया है जिसमें पारंपरिक जेंग बिहू, हुचरि नृत्य बत्तख पकड़ना, अंडे से लड़ना, मटकी फोड़ना शामिल रहेगा। अनुष्ठान में गांव से शादी हुए लड़कियों एवं दामादो को भी आमंत्रित किया गया। दिन में आम बैठक में जानेमाने लोगों शामिल होंगे। समिति के कार्यकर्ता बिक्रम गोगोई ने दिए जानकारी अनुसार आखिरी दिन के अनुष्ठान में असम के जानेमाने सिंगर पापरी गोगोई और कौशिक प्रियम का संगीत अनुष्ठान में भाग लेंगे। अनुष्ठान में हर वर्ग के लोगों को भाग लेकर अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए आह्वान किया।

जनता इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन, बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

तालगांव सीतापुर परसेंडी क्षेत्र के जनता इंटर कॉलेज तालगांव के विद्यार्थियों ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल देखने को मिला। विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों ने खासतौर पर शानदार प्रदर्शन किया। असमी बानो ने 91.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं मशीरह जुनेद अंसारी ने 91 प्रतिशत, अजमी ने 89 प्रतिशत, पलक जायसवाल ने 87.5 प्रतिशत तथा तैय्यबा नूर ने 86.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इन विद्यार्थियों की सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम मानी जा रही है। इसके अतिरिक्त विद्यालय के 23 अन्य विद्यार्थियों ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर सामूहिक रूप से सफलता की नई इबारत लिखी। विद्यार्थियों ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने अभिभावकों और शिक्षकों को देते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण से हर सफलता संभव है। साथ ही उन्होंने आगामी परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को भी पूरी लगन और मेहनत से तैयारी करने का संदेश दिया। विद्यालय में इस उपलब्धि पर उत्सव जैसा माहौल रहा। विद्यालय प्रबंधक मानू अंसारी ने सभी सफल विद्यार्थियों को फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया तथा मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह सफलता आने वाले समय में और बड़े लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा देगी। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भी इसी तरह बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

मलिहाबाद में मलिहा पासी स्मृति द्वार को लेकर बढ़ा विवाद, 26 अप्रैल को बड़े आंदोलन का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में मलिहा पासी स्मृति द्वार को दोबारा स्थापित न किए जाने को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। प्रशासन द्वारा दिए गए दो दिन के आश्वासन के बावजूद तीन दिन बीत जाने पर भी द्वार नहीं लगाए जाने से पासी समाज में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। इसी के विरोध में अब आंदोलन की तैयारी तेज हो गई है। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर, विधायक जयदेवी कौशल, विकास किशोर और ब्लॉक प्रमुख मीनू वर्मा ने इस मुद्दे को लेकर सख्त रुख अपनाया है। सभी नेता मलिहाबाद में ही प्रवास पर बैठ गए हैं और साफ तौर पर कहा है कि जब तक मलिहा पासी स्मृति द्वार दोबारा स्थापित नहीं किया जाता, तब तक वे वहीं डटे रहेंगे। नेताओं के इस कदम से मामला और ज्यादा गरमा गया है। गौरतलब है कि प्रशासन ने पहले दो दिन के भीतर द्वार को पुनः स्थापित करने का आश्वासन दिया था, लेकिन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे स्थानीय लोगों और पासी समाज के संगठनों में आक्रोश और बढ़ गया है। लोगों का आरोप है कि प्रशासन इस मामले में लापरवाही बरत रहा है और जानबूझकर देरी की जा रही है। इसी नाराजगी के चलते पासी समाज के विभिन्न संगठनों ने रविवार 26 अप्रैल को एक बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। बताया जा रहा है कि इस आंदोलन में प्रदेश के 76 जिलों से बड़ी संख्या में पासी समाज के लोग शामिल होंगे। इसे लेकर तैयारियां भी जोरों पर हैं और क्षेत्र में माहौल धीरे-धीरे आंदोलनात्मक होता जा रहा है। वहीं, पासी समाज के प्रमुख संगठन सुहेलदेव आर्मी और लाखन आर्मी भी इस आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सुहेलदेव आर्मी के प्रमुख योगेश पासी और लाखन आर्मी के प्रमुख सूरज पासी ने समाज के लोगों से अपील की है कि वे अपने इतिहास और सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट होकर इस आंदोलन में भाग लें। उन्होंने इसे समाज की अस्मिता से जुड़ा मुद्दा बताते हुए अधिक से अधिक लोगों के शामिल होने का आह्वान किया है। दूसरी ओर, संभावित बड़े आंदोलन को देखते हुए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। मलिहाबाद क्षेत्र में पहले से ही अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को कब तक सुलझा पाता है और मलिहा पासी स्मृति द्वार को लेकर जारी यह विवाद किस दिशा में आगे बढ़ता है। फिलहाल, पूरे क्षेत्र की नजरें 26 अप्रैल को होने वाले प्रस्तावित आंदोलन पर टिकी हुई हैं।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत निकली भव्य शोभा यात्रा, गूंजे 'गौ माता राष्ट्र माता' के नारे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। संतों एवं गौसेवकों के नेतृत्व में 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के अंतर्गत एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभा यात्रा पत्थर गिरिजाघर से प्रारंभ होकर हनुमान निकेतन तक पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ संपन्न हुई। यात्रा में समाज के विभिन्न वर्गों–संत समाज, गौसेवकों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों–की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली। शोभा यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में 'गौ हत्या बंद हो' एवं 'गौ माता राष्ट्र माता' जैसे जोशीले नारों की गूंज सुनाई दी, जिसने वातावरण को धार्मिक एवं भावनात्मक रूप से ऊर्जावान बना दिया। श्रद्धालु हाथों में बैनर और तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर गौ संरक्षण से जुड़े संदेश लिखे हुए थे। यात्रा के दौरान आयोजकों द्वारा आम नागरिकों को अभियान से जोड़ने का भी प्रयास किया गया। कई स्थानों पर लोगों ने आगे बढ़कर अपने हस्ताक्षर किए और गौ संरक्षण के समर्थन में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इस दौरान अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने लोगों को आगामी 27 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम की जानकारी भी दी। आयोजकों के अनुसार, 27 अप्रैल को तहसील एवं जिला स्तर पर संबंधित स्थरू कार्यालयों में पहुंचकर देश के शीर्ष नेतृत्व–माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री–के नाम प्रार्थना पत्र सौंपा जाएगा, जिसमें गौ संरक्षण से जुड़ी प्रमुख मांगों को रखा जाएगा। गौमाता की सेवा, संरक्षण एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए,

गौहत्या का पूर्णतः उन्मूलन किया जाए,गौमाता को राष्ट्रीय धरोहर अथवा राष्ट्रीय सम्मान का दर्जा प्रदान किया जाए, आयोजकों ने बताया कि यह अभियान केवल धार्मिक भावना तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सामाजिक जागरूकता बढ़ाना और गौवंश के संरक्षण के प्रति सरकार एवं समाज का ध्यान आकर्षित करना है। कार्यक्रम के समापन पर संतों ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में 27 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर इस जनआंदोलन को मजबूत बनाने की अपील की।

असम के बराक-त्रिपुरा रेलपथ के पूर्ण विद्युतीकरण की मांग तेज

● शिलचर-अगरतला समेत दुल्लभछड़ा रूट पर आधुनिक ट्रेनों की मांग उठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम के बराक घाटी और त्रिपुरा को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण रेलमार्ग दुल्लभछड़ा-अगरतला-करीमगंज शिलचर-बदरपुर रूट के पूर्ण विद्युतीकरण की मांग जोर पकड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रूट के अधिकांश हिस्सों में विद्युतीकरण का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है, लेकिन शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, शिलचर-अगरतला सहित दुल्लभछड़ा रेलमार्ग लंबे समय से उत्तर-पूर्व क्षेत्र का एक प्रमुख संपर्क माध्यम रहा है। इस मार्ग पर नियमित यात्री ट्रेनें चलती हैं और बदरपुर, करीमगंज तथा दुल्लभछड़ा जैसे स्टेशन महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। इसके बावजूद यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की मांग है कि पूरे मार्ग का जल्द से जल्द पूर्ण विद्युतीकरण कर आधुनिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाए। इससे यात्रा समय में कमी आएगी, पर्यावरण प्रदूषण घटेगा और यात्रियों को अधिक आरामदायक सेवा उपलब्ध होगी। साथ ही भविष्य में इस मार्ग पर बेहतर एवं संभावित उच्च गति वाली ट्रेनों के संचालन की संभावना भी बढ़ेगी। स्थानीय लोगों ने कहा, 'जो भी शेष कार्य है उसे शीघ्र पूरा कर इस मार्ग पर इलेक्ट्रिक ट्रेन सेवा शुरू की जाए यही हमारी प्रमुख मांग है। 'वहीं रेलवे अधिकारियों की ओर से अभी तक पूर्ण विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिक ट्रेन संचालन की कोई निश्चित समय-सीमा घोषित नहीं की गई है। हालांकि संबंधित सूत्रों के अनुसार, अवसंरचना विकास कार्य जारी है।

दिल्ली में संजय झील पार्क बदहाल, हरियाली गायब और आपतिजनक गतिविधियों से सुरक्षा पर उठे सवाल

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में यमुनापार की प्राकृतिक धरोहर माने जाने वाला त्रिलोकपुरी स्थित संजय झील पार्क इन दिनों गंभीर अव्यवस्थाओं का शिकार है। लापरवाही के चलते न केवल इसकी प्राकृतिक सुंदरता खत्म होती जा रही है, बल्कि यहां आने वाले लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पार्क में हरियाली तेजी से गायब हो रही है। पेड़-पौधों की उचित देखरेख न होने से कई पेड़ सूख गए हैं, जबकि कुछ बेजान अवस्था में खड़े हैं। नियमित सिंचाई और रखरखाव की कमी के कारण पार्क की जमीन से हरियाली लगभग खत्म हो गई है। इसके चलते यहां धूल उड़ती रहती है, जो आने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। इससे पार्क की पहचान भी प्रभावित हो रही है।

महिलाएं और बच्चे पार्क में जाने से बचने लगे

शाम ढलते ही पार्क में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाता है। टूटी चाहरदीवारी, अंधेरे और निगरानी की कमी का फायदा उठाकर यहां आपत्तिजनक गतिविधियां की जाती हैं। इससे आसपास के लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं।

ऑल इंडिया प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन नें किया सतपाल दौसा लोक सांस्कृतिक सेवा सम्मान का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नोएडा! अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन के बैनर तले सनशाइन रेजिडेंसी सेक्टर 71 में लोक कला सांस्कृतिक, सामाजिक, चिकित्सा सेवा एवं खेलों में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में आए सतपाल दौसा के छोटे भाई जगत दौसा ने बताया कि मेरे बड़े भाई सतपाल दौसा एक अच्छे गायक थे। किसान परिवार में जन्मे और परिवार को ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य किया। उनकी वाणी में सरस्वती का वास था और उन्होंने लोगों के दिलों पर राज किया। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दी। मंच संचालन अंकित भड़ाना ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महर्षि पतंजलि अंतर्राष्ट्रीय योग विद्यापीठ के संस्थापक स्वामी कर्मवीर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य की कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। मनुष्य को सदैव शुभ कर्म करते हुए ईश्वर स्तुति प्रार्थना उपासना करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। वशिष्ठ अतिथि स्वामी सत्यदेव जी महाराज ने अपने संबोधन में पाप और पुण्य धर्म और अधर्म की शिक्षा देते हुए सभी से अपील की कि वह अपने बच्चों को गुरुकुल पद्धति से पढ़ाये। आचार्य दीपक योगायुर्वेदज्ञ ने सभा को संबोधित करते हुए योग के बारे में बताया कि कैसे हम योग के द्वारा रोगों से निजात पा सकते हैं। अति विशिष्ट अतिथि नीरज पाल गुर्जर, नैना गुर्जर रूपचंद नागर पर्यावरण पुरुष नें सभा को संबोधित करते हुए बताया मनुष्य को हमेशा शुभ कर्म करने चाहिए क्योंकि हमें कोई देख रहा है। चौ. भाग सिंह (मैनेजर चड्ढा ग्रुप), विनोद तोमर, अध्यक्ष तंवर पर्यावरण संस्थान डा.यतेंद्र कटारिया, मुख्य अतिथि डा.सत्यपाल सिंह (इंडिया कोच) आदि नें सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों की पढ़ाई व खेलकूद पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अमित त्यागी, संदीप त्यागी, लाल यादव, मनोज भटनागर, विनोद तेवतिया, विनोद कुमार, राजपाल, बाबूगढ़ अध्यक्ष जगबीर गुर्जर, संतराम राठी, कैप्टन कुलदीप, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठाकुर किरण पाल भारतीय किसान यूनियन भानू आदि नें लोगों को संबोधित करते हुए कहा की फाउंडेशन हमेशा अच्छे कार्य करती है इसलिए हम फाउंडेशन के साथ हैं। कार्यक्रम के संयोजक हरेंद्र सिंह चैंपियन (संरक्षक ऑल इंडिया पीसीएफ) ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का माला पहनाकर और शील्ड देकर के सम्मान किया। फाउंडेशन अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आग्रह किया कि यदि आप फाउंडेशन को स्नेह व मार्गदर्शन देते रहे, तो हम आगे भी अच्छे-अच्छे कार्यक्रम फाउंडेशन द्वारा करते रहेंगे। कार्यक्रम मे डा.जितेंद्र गौड़, डा. प्रवीण कुमार, डा.नरेश सैनी, हरिओम चौधरी, चेतन चौधरी, लोक गायक तेजवीर विधूड़ी, ऋषिपाल दौसा, जगत दौसा, राहुल बैसला, राजबल, यू पी पुलिस कबड्डी कप्तान सोनिका नागर, राष्ट्रीय प्रशिक्षिक विनय योगी अपनी टीम के साथ, एवं गणमान्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

शादी समारोह में हुए विवाद ने पकड़ा तूल, पुलिस ने दोनों पक्षों पर की 'शांति भंग' की कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- राजधानी लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत बड़ी देवरिया गांव में एक शादी समारोह के दौरान शुरू हुआ मामूली विवाद अब पुलिसिया कार्रवाई तक पहुँच गया है। छेड़खानी और मारपीट के गंभीर आरोपों के बाद, जांच में मामला आपसी कहासुनी का पाए जाने पर पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल 12 लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की है

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता मोहम्मद इरफान ने पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि 16 अप्रैल की शाम, गांव के ही निवासी साहिल ने उनकी पुत्री नसरा के साथ छेड़खानी की। इरफान का आरोप था कि विरोध करने पर आरोपी ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। साथ ही, उन्होंने एक शादी समारोह के दौरान साहिल और उसके दोस्तों द्वारा पुत्री से दुर्व्यवहार और उनके साथ मारपीट करने का भी दावा किया था।

पुलिस जांच और जमीनी हकीकत

आईजीआरएस (IGRS) के तहत मामले की जांच उप-निरीक्षक सुमित्रा कुमारी को सौंपी गई। पुलिस द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करने और स्थानीय स्तर पर पूछताछ करने के बाद कहानी में बदलाव नजर आया। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, जांच में यह पाया गया कि दोनों पक्ष एक ही गांव के एक शादी समारोह में गए थे, जहां किसी बात को लेकर उनके बीच तीखी बहस और कहासुनी हुई थी। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि आवेदक द्वारा लगाए गए छेड़खानी जैसे अन्य गंभीर आरोपों की मौके पर पुष्टि नहीं हो सकी है।

पुलिस की सख्त कार्रवाई

दोनों पक्षों के बीच व्याप्त तनाव और भविष्य में शांति भंग होने की आशंका को देखते हुए, चिनहट पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस ने बीएनएसएस (BNSS) की धारा 126/135 के तहत द्विपक्षीय कार्रवाई करते हुए निम्नलिखित लोगों का चालान किया है: **प्रथम पक्ष:** मोहम्मद इरफान, आफताब अली, फुरकान अली, रेशमा, सुकैया और काजल। **द्वितीय पक्ष:** मोहम्मद रफीक, आसिया बानो, रहिशन बानो, मोहम्मद आरिफ, साहिल और शबनम।

> 'जांच में पाया गया कि शादी में हुए विवाद के कारण दोनों पक्षों में काफी कसीदगी है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों को भारी मुचलके से पाबंद करने हेतु माननीय न्यायालय को रिपोर्ट भेजी गई है। '

> – रिपोर्ट, थाना चिनहट

वर्तमान स्थिति

पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि वर्तमान में मौके पर शांति व्यवस्था कायम है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। थाना प्रभारी ने जांच रिपोर्ट से सहमति जताते हुए मामले को निक्षेपित करने की संस्तुति दी है।

पंजाब ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, दिल्ली के खिलाफ किया रिकॉर्ड रन चेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में आज का मैच दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। दिल्ली के खिलाफ पंजाब ने 265 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए थे। डीसी के लिए केएल राहुल ने आईपीएल करियर का छठा शतक लगाते हुए नाबाद 152 रन बनाये, जबकि नीतीश राणा ने 91 रनों की पारी खेली थी। पीबीकेएस के लिए प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने शुरुआत की। दोनों के बीच 126 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी हुई। प्रभसिमरन (76), प्रियांश आर्या (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 71 रनों की पारी खेली। ये आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज है। पिछला सबसे बड़ा रन चेज भी पंजाब किंग्स के नाम था।

पंजाब की रिकॉर्ड जीत

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पंजाब किंग्स ने 265 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए थे। डीसी के लिए केएल राहुल ने नाबाद 152, जबकि नीतीश राणा ने 91 रनों की पारी खेली थी। पीबीकेएस के लिए प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने शुरुआत की। दोनों के बीच 126 रनों की साझेदारी हुई। प्रभसिमरन (76), प्रियांश आर्या (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 71 रनों की पारी खेली। ये आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज है।

श्रेयस अय्यर ने लगायी फिफ्टी

रिकॉर्ड जीत के करीब पंजाब किंग्स, कप्तान ने लगाया 26 गेंदों में अर्धशतक।

नेहल वढेरा आउट

पंजाब किंग्स का चौथा विकेट गिरा, नेहल वढेरा 15 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुए। विप्रज निगम ने लिया उनका विकेट।

दिल्ली में अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश, 80 लाख की स्मैक बरामद

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पूर्वी जिले की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस टीम ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर कुल 475 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत लगभग 80 लाख रुपये बताई जा रही है। डीसीपी पूर्वी दिल्ली राजीव कुमार ने बताया कि मुखबिर से ड्रग तस्करी के बड़े नेटवर्क के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड के इंचार्ज अरुण कुमार की अगुवाई में विकास, अमित, अरुण व अनामिका की टीम को अलर्ट किया गया। टीम ने गाजीपुर रोड, एनएच-24 से गाजीपुर सब्जी मंडी मार्ग के पास जाल बिछाया और संदिग्ध व्यक्ति मोहम्मद आरिफ को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 270 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

आरआर बनाम एसआरएच: वैभव सूर्यवंशी का 'खौफनाक' अवतार, शतक ठोक हिंगे को सिखाया सबक

● बीच मैदान पूरा किया पुराना बदला ट्रेनों की मांग उठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए कमाल कर दिया। उन्होंने 36 गेंदों पर शतक लगाया। सूर्यवंशी ने इसी के साथ आईपीएल में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा दूसरे सबसे तेज शतक लगाया। इस लिस्ट में पहले स्थान पर भी वैभव का ही नाम शामिल है। सूर्यवंशी ने मुकाबले में एक बदला भी लिया, जहां वे हैदराबाद के खिलाफ पिछले मुकाबले में जीरो पर आउट हो गए थे। सूर्यवंशी ने मुकाबले में अपने बल्ले से जलवा बिखेरा और आईपीएल करियर का दूसरा शतक ठोक दिया। इससे पहले आईपीएल 2025 में अपने डेब्यू सीजन में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाया था। अब उन्होंने जयपुर में हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया है। इसी के साथ सूर्यवंशी ने हैदराबाद के तेज गेंदबाद प्रफुल्ल हिंगे से अपना बदला भी पूरा कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने लगाया शतक

15 वर्षीय खिलाड़ी ने पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पहले 16 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और फिर 36 गेंदों पर सेंचुरी ठोक दी। सूर्यवंशी ने आईपीएल में भारतीय बल्लेबाज के द्वारा दूसरा सबसे तेज शतक लगाया है। पहले स्थान पर भी उन्हीं का नाम शामिल है, जहां आईपीएल 2025 में 35 गेंदों पर शतक लगाया था। सूर्यवंशी 37 गेंदों पर 103 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 5 चौके 12 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे।

सूर्यवंशी ने अपना हिसाब किया बराबर

सूर्यवंशी इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में जीरो रन पर आउट हो गए थे। उन्हें प्रफुल्ल हिंगे ने पहली गेंद पर मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया था। सूर्यवंशी ने उस मुकाबले की कसर इस मैच में पूरी की और शतक लगाया। वैभव को आउट करने के बाद हिंगे ने कहा था कि उन्होंने अंडर-23 के एक मैच में भी सूर्यवंशी को बाउंसर पर आउट किया था। ऐसे में इस मैच में भी उन्होंने ऐसा किया। प्रफुल्ल का कहना था कि उन्होंने गेंदबाजी कोच से यही प्लान बनाया था।

हिंगे के पहले ओवर में जड़े 4 छक्के

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपना हिसाब बराबर करते हुए इस मुकाबले में हिंगे के खिलाफ पहले ही ओवर में लगातार 4 छक्के जड़े। हैदराबाद के गेंदबाज ने पिछले मैच में वैभव को जीरो पर आउट किया था लेकिन इस मैच में उनकी बाउंसर वाली रणनीति काम नहीं आई। सूर्यवंशी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और शतक ठोक दिया।

मोहम्मद रफ़ी और लता मंगेशकर का 58 साल पुराना गाना आज भी है सदाबहार, दिल को छूते हैं लिरिक्स

● 58 साल पुराना गाना आज भी है मोस्ट रोमांटिक

●मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर ने दी थी आवाज

●दिल को छू जाते हैं इसके लिरिक्स

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। मोहम्मद रफी भारतीय संगीत के इतिहास की वो आवाज थे, जो आज भी अमर है। उन्होंने बॉलीवुड को कई ऐसे गीत दिए जो उस वक्त तो हिट थे ही लेकिन आज भी वे उतने ही सदाबहार हैं और उनके फैंस की प्लेलिस्ट में शामिल हैं। वहीं अगर किसी गाने में उनके साथ लता मंगेशकर ने सुर मिलाए हों फिर तो बात ही अलग है।आज हम एक ऐसे ही गाने के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर ने मिलकर गाया था। ये गाना उस वक्त तो हिट था ही आज 58 सालों बाद भी ये कल्ट बना हुआ है।

कौन सा है ये गाना?

जिस गाने की हम बात कर रहे हैं वो 1968 में रिलीज हुई रोमांटिक एक्शन फिल्म इज्जत का है। जिसमें धर्मेंद्र, तनुजा, जयललिता और महमूद जैसे कलाकारों ने काम किया था। इस गाने के बोल हैं- 'ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं...हम क्या करें'। इस गाने के को साहिर लुधियानवी ने लिखा था और मोहम्मद रफी के साथ लता मंगेशकर ने अपनी आवाज में पिरोया था। कल्ट सॉन्ग के लिरिक्स इतने इमोशनल हैं कि आज भी दो प्यार करने वालों के दिलों को छू जाते हैं। वहीं जो म्यूजिक लवर्स हैं उनकी प्लेलिस्ट में जरूर शामिल होता है।

यूट्यूब पर मिले कितने व्यूज

इस गाने को लोग इतना सुनते हैं कि इसे यूट्यूब पर 226 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। इस सॉन्ग के म्यूजिक डायरेक्टर लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल थे।

मोहम्मद रफी के बारे में

मोहम्मद रफी (24 दिसंबर 1924 - 31 जुलाई 1980) एक भारतीय प्लेबैक सिंगर थे। उनके गाने तेज, जोशीले गानों से लेकर देशभक्ति गीतों तक, उदास गानों से लेकर बेहद रोमांटिक गानों तक, कव्वालियों से लेकर गजलों तक और भजनों से लेकर शास्त्रीय गीतों तक अलग-अलग तरह के होते थे। 1967 में, भारत सरकार ने उन्हें चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान, पद्म श्री से सम्मानित किया।